मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 8 अंक 57
शुक्रवार, 05 सितम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

जीएसटी सुधार दिवाली से पहले 'डबल धमाका': पीएम मोदी

नई दिल्ली, 04 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद द्वारा अनुमोदित व्यापक सुधारों की सराहना की और इन्हें भारत की आजादी के बाद का सबसे बड़ा फैसला बताया। दिल्ली के 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शिक्षकों से बातचीत करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि जीएसटी अब सरल हो गया है और दिवाली से पहले इन सुधारों को 'डबल धमाका' बताया। उन्होंने कहा कि अब जीएसटी और भी सरल हो गया है... 22 सितंबर को, जो कि नवरात्रि का पहला दिन है, अगली पीढ़ी का सुधार लागू हो जाएगा क्योंकि ये सभी चीजें निश्चित रूप से 'मातृशक्ति' से जुड़ी हैं।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि जीएसटी आजाद भारत के सबसे बड़े आर्थिक सुधारों में से एक था। दरअसल, ये सुधार देश के लिए समर्थन और विकास का दोहरा लाभ हैं। एक तरफ देश के आम लोगों का पैसा बचेगा, तो दूसरी तरफ देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि आठ साल पहले जब जीएसटी लागू हुआ था, तो कई दशकों का सपना साकार हुआ था। यह चर्चा मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद शुरू नहीं हुई। ये चचाएँ पहले भी होती थीं, लेकिन कभी कोई काम नहीं हुआ।

मोदी ने कहा कि कोई नहीं भूल सकता कि कांग्रेस सरकार ने आपका मासिक बजट कैसे बढ़ा दिया था... वे बच्चों की टॉफियों पर भी 21% टैक्स लगाते थे। अगर मोदी ने ऐसा किया होता, तो वे मेरे बाल नोच लेते। उन्होंने कहा कि जीएसटी में किए गए सुधारों का सारांश यह है कि यह भारतीय अर्थव्यवस्था में पाँच रत्न जोड़ देगा। पहला, कर प्रणाली सरल हो जाएगी। भारत के नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार होगा, उपभोग और विकास दर में वृद्धि होगी, व्यापार करने में आसानी होगी, निवेश और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा, और एक विकसित भारत के लिए सहकारी संघवाद मजबूत होगा।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि युवाओं के लिए एक और लाभ फिटनेस सेक्टर में होने वाला है। जिम, सैलून, योग जैसी सेवाओं पर टैक्स कम कर दिया गया है, यानी हमारे युवा फिट भी रहेंगे और हिट भी। उन्होंने कहा कि लाल किले से मैंने वोकल फॉर लोकल, स्वदेशी अपनाने का बड़ा आह्वान किया है। स्वदेशी यानि, जो कुछ भी हमारे देश में पैदा होता है, बनता है, जिसमें हमारे देश की मिट्टी की सुगंध है... वो मेरे लिए स्वदेशी है। इसलिए हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी का बोर्ड लगाकार हमें इस पर गर्व करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज देश में ऐसी सरकार है जिसमें राजनीतिक इच्छाशक्ति है जिसके दिल में उज्ज्वल भविष्य की चिंता है और बच्चों के भविष्य की चिंता है। ऐसे में हम किसी भी दबाव का परवाह किए बिना ऑनलाइन गेमिंग के संबंध में कानून लाए हैं। उन्होंने कहा कि भारत के आज के विद्यार्थियों और आने वाली पीढ़ियों में एक सवाल शुरू से ही प्रचारित और प्रसारित किए जाने की जरूरत है। और वो सवाल है- मैं ऐसा क्या करूं जिससे मेरे देश की किसी ना किसी आवश्यकता की पूर्ति हो।

कार-बस की टक्कर में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

केरल, 04 सितम्बर। दक्षिणी जिले के ओचिरा में बृहस्पतिवार को केरल राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की एक बस और एक एसयूवी गाड़ी के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में दो बच्चों सहित एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, परिवार कोच्चि हवाई अड्डे पर एक रिश्तेदार को विदा करने के बाद घर लौट रहा था, तभी सुबह करीब साढ़े छह बजे राष्ट्रीय राजमार्ग पर ओचिरा के वलियाकुलंगरा में उनके वाहन और कोल्लम से चेरथला जा रही केएसआरटीसी की एक बस के बीच सीधी टक्कर हो गई।

मृतकों की पहचान कोल्लम में थेवलकारा स्थित पाइप जंक्शन निवासी प्रिंस थौमस, उनके बेटे अतुल और बेटी अल्का के रूप में हुई है। परिवार के अन्य तीन लोग एक निजी अस्पताल में उपचाराधीन हैं और उनकी हालत गंभीर बताई गई है। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

स्थानीय लोगों ने एसयूवी के दरवाजे काटकर घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल ले गए लेकिन प्रिंस और उनके बच्चों की मौत हो गई थी। ओचिरा पुलिस ने पास की दुकानों से प्राप्त सीसीटीवी फुटेज का हवाला देते हुए कहा कि एसयूवी की रफ्तार उस समय तेज थी और प्रिंस को गाड़ी चलाते समय झपकी लग गई होगी। उन्होंने कहा हालांकि, विस्तृत जांच के बाद ही वास्तविक कारण की पुष्टि हो सकेगी।

ओडिशा में गोहत्या के संदेह में एक दलित की पीटकर हत्या, छह लोग गिरफ्तार

ओडिशा, 04 सितम्बर। ओडिशा के देवगढ़ जिले में गोहत्या के संदेह में भीड़ ने 35 वर्षीय एक दलित व्यक्ति को कथित रूप से पीटकर मार डाला और उसके सहयोगी को घायल कर दिया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार बुधवार को रियामल थाना क्षेत्र के कुंदेइजुरी गांव में यह वारदात हुई और इस मामले में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कहा कि मृतक की पहचान किशोर चमार के रूप में हुई है तथा घायल व्यक्ति उसका साथी गौतम नायक है औ दोनों पड़ोसी गांव कौनसिधिपा के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि किशोर और गौतम पशुओं की खाल उतारने का काम करते थे। पुलिस के मुताबिक कुछ लोगों ने उन्हें अपने गांव के पास जंगल में एक गाय का मांस काटते हुए देखा। वहां एक गाय का अलग किया हुआ सिर भी पड़ा था।

पुलिस के अनुसार किशोर एवं उसके साथी ने लोगों को बताया कि वे अपनी गाय की मौत के बाद उसका मांस काट रहे हैं, लेकिन उस (किशोर) पर गाय की हत्या का आरोप लगाया गया। देवगढ़ के पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार मिश्रा ने बताया, लोगों के समूह ने दोनों की पिटाई की जिससे किशोर की मौके पर ही मौत हो गई। नायक घायल तो हुआ, लेकिन वह भागने में कामयाब रहा।

ई-रिक्शा के लिए भी भारत-एनकैप जैसा सुरक्षा मानक लाने पर विचारः गडकरी

नई दिल्ली, 04 सितम्बर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहसपतिवार को कहा कि सरकार देश में सड़क सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के लिए ई-रिक्शा के लिए भी भारत एनकैप की तर्ज पर सुरक्षा मानक लाने पर विचार कर रही है।

गडकरी ने फिक्की सड़क सुरक्षा पुरस्कार एवं संगोष्ठी के सातवें संस्करण को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा सरकार के लिए एक अहम मुद्दा है। उन्होंने कहा, देश में हर साल करीब पांच लाख सड़क हादसे होते हैं, जिनमें 1.8 लाख लोगों की जान जाती है। इनमें से 66.4 प्रतिशत मौतें 18 से 45 वर्ष की उम्र वाले लोगों की होती हैं।

उन्होंने सड़क हादसों में होने वाली मौतों को कम करने के लिए सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने और घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाने की जरूरत पर बल दिया।

गडकरी ने इस प्रयास में ई-रिक्शा को सुरक्षित बनाने को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा, ई-रिक्शा की संख्या देश में बहुत अधिक है। हम देख रहे हैं कि किस तरह इनके लिए सुरक्षा मानकों में सुधार किया जा सकता है। हम ई-रिक्शा के लिए भी भारत-एनकैप जैसे सुरक्षा मानक लाने जा रहे हैं।

उन्होंने चार-पहिया वाहनों के लिए सुरक्षा मानकों को बेहतर करने के इरादे से वर्ष 2023 में भारत-एनकैप सुरक्षा मानक की शुरूआत की थी। उन्होंने सड़क हादसों का जिक्र करते हुए कहा कि हेलमेट न पहनने से करीब 30,000 और सीट बेल्ट न लगाने से 16,000 मौतें होती हैं। सड़क हादसों से देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का करीब तीन प्रतिशत नुकसान हो जाता है।

गडकरी ने बताया कि देशभर में विभिन्न स्थानों पर होने वाली दुर्घटनाओं के कारणों का पता लगाने के लिए सुरक्षा ऑडिट कराए गए हैं। उन्होंने कहा, सड़क दुर्घटना एक सामाजिक समस्या है।

मैं यह स्वीकार करता हूं कि अन्य क्षेत्रों में हमें जैसी सफलता मिली है, वैसी कामयाबी हमें इस मामले में नहीं मिल पाई है।

मंत्री ने आम लोगों से अपील की कि सड़क दुर्घटना में घायल हुए लोगों को तुरंत अस्पताल पहुंचाएं, क्योंकि समय पर इलाज से लगभग 50,000 लोगों की जान बचाई जा सकती है।

जीएसटी दरों में कटौती देश के लिए बड़ी सौगात, दिल्ली को फायदा होगा : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, 04 सितम्बर। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बृहस्पतिवार को कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती देश के लिए एक बड़ा उपहार है और यह भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

बुधवार को जीएसटी परिषद की पहली बैठक में शामिल हुई गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का भी आभार जताया। उन्होंने कहा कि इस कदम से देश में व्यापार और कारोबार मजबूत होगा। रेखा गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा, यह देश के लिए बहुत बड़ी सौगात है... स्वास्थ्य बीमा और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की दरों में कटौती देश के करोड़ों लोगों के लिए बड़ी राहत है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आभारी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीएसटी परिषद ने जीएसटी की दरों में संशोधन को अपार समर्थन के साथ पारित कर दिया है। उन्होंने कहा कि इससे व्यापार और कारोबार को बढ़ावा मिलेगा तथा यह कदम भारतीय अर्थव्यवस्था में मील का पत्थर साबित होगा। गुप्ता ने कहा, दिल्ली बहुत खुश है और मैं दिल्लीवासियों की ओर से प्रधानमंत्री को स्वास्थ्य बीमा तथा शिक्षा संबंधी वस्तुओं पर शून्य जीएसटी लगाने के लिए धन्यवाद देती हूं। नवीकरणीय ऊर्जा को समर्थन दिया गया है और इससे दिल्ली को काफी लाभ होगा क्योंकि हम सौर ऊर्जा को बढ़ावा दे रहे हैं। जीएसटी परिषद ने बुधवार को आम सहमति से माल एवं सेवा कर में व्यापक सुधारों को मंजूरी दी। इन सुधारों के तहत साबुन, साइकिल, टीवी और व्यक्तिगत स्वास्थ्य तथा जीवन बीमा पॉलिसी जैसे आम उपयोग के उत्पादों पर जीएसटी की दरें कम की गयी हैं। जीएसटी में पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो-स्तरीय कर संरचना को मंजूरी दी गयी है। कुछ चुनिंदा वस्तुओं जैसे महंगी कारें, तंबाकू और सिगरेट के लिए भी 40 प्रतिशत का विशेष स्लैब प्रस्तावित है।

बिजनौर में तेज रफ्तार क्रेन की टक्कर से मां-बेटे की मौत

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर कोतवाली क्षेत्र में बृहस्पतिवार को एक तेज रफ्तार क्रेन की टक्कर लगने से एक महिला और उसके बेटे की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि बिजनौर कोतवाली क्षेत्र में आज सुबह खूबचंद्र नामक व्यक्ति अपनी पत्नी सरिता (30) और सात-वर्षीय बेटे अक्की को लेकर जा रहा था, लेकिन रास्ते में बाईपास मार्ग पर वी.के. गार्डन के पास उसकी मोटरसाइकिल खराब हो गयी। सूत्रों के अनुसार, मोटरसाइकिल खराब होने पर खूबचंद्र, उनकी पत्नी तथा बेटा पैदल चलने लगे और इसी दौरान तेज रफ्तारर क्रेन ने मां-बेटे को टक्कर मार दी। उन्होंने कहा कि इस घटना में अक्की की मौके पर मौत हो गई।

राष्ट्रीय शिक्षक दिवस-5 सितम्बर 2025 पर विशेष

शिक्षक ज्ञानवान ही नहीं, चरित्रवान पीढ़ी का निर्माण करें

-ललित गर्ग

शिक्षक ही सभ्यता और संस्कृति के असली शिल्पी होते हैं। विज्ञान, तकनीक और राजनीति चाहे जितनी प्रगति कर लें, यदि शिक्षा और शिक्षक दिशा न दें तो मानवता दिशाहीन हो जाती है। इसी कारण 5 सितम्बर को राष्ट्रीय शिक्षक दिवस मनाने की परंपरा आरंभ हुई। भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिन 5 सितंबर को होता है, जो भारत में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य समाज में शिक्षक के महत्व, उनके योगदान और मार्गदर्शक भूमिका को सम्मान देना है। यह अवसर विद्यार्थियों और समाज को याद दिलाता है कि शिक्षक केवल ज्ञान देने वाले ही नहीं बल्कि आदर्श, प्रेरक और चरित्र-निमार्ता भी होते हैं। आज जबकि नया भारत-सशक्त भारत-विकसित भारत निर्मित हो रहा है, तब शिक्षकों की भूमिका अधिक प्रासंगिक हो गयी है।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म 5 सितम्बर 1888 को आंध्र प्रदेश के तिरुत्तनी में हुआ था। वे एक महान दार्शनिक, विद्वान, शिक्षक और राजनेता थे। उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और कलकत्ता विश्वविद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में दर्शनशास्त्र पढ़ाया। उनकी पुस्तकें ह्यइंडियन फिलोशॉफीह्न ह्यदी हिन्दू व्यूह ऑफ लाइफह्न और ह्यदी आइडलिस्ट ऑफ लाइफह्न विश्व स्तर पर प्रसिद्ध हुईं। वे 1952 से 1962 तक भारत के उपराष्ट्रपति और 1962 से 1967 तक भारत के राष्ट्रपति रहे। उन्हें 1954 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया। जब वे राष्ट्रपति बने तो उनके कुछ शिष्यों और मित्रों ने उनका जन्मदिन मनाने की इच्छा व्यक्त की। इस पर उन्होंने विनम्रता से कहा कि यदि आप लोग मेरे जन्मदिन को विशेष रूप से मनाना चाहते हैं तो उसे शिक्षक दिवस के रूप में मनाइए। तब से ही 5 सितम्बर राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। डॉ. राधाकृष्णन का संदेश यही था कि शिक्षक समाज की रीढ़ हैं और उनका सम्मान करना ही वास्तविक राष्ट्र निर्माण है। निश्चित ही शिक्षकों का यह सम्मान केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के भविष्य का घोषणापत्र है।

यह दिवस राष्ट्र को शिक्षा, विज्ञान, शांति एवं प्रगति का सन्देश देने के लिए कृत संकल्पित है। भारत का इतिहास शिक्षा की गौरवमयी परंपरा से जुड़ा है। प्राचीन समय से भारत शिक्षा का बड़ा केन्द्र रहा है और उसने संसार में जगतगुरु की भूमिका निभाई है। नालंदा और तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालयों ने भारत को जगतगुरु का दर्जा दिलाया। महान दार्शनिक आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा था-ह्लव्यक्तित्व-निर्माण का कार्य अत्यन्त कठिन है और यह केवल निःस्वार्थी एवं जागरूक शिक्षक ही कर सकता है ह्व यह वाक्य हमें याद दिलाता है कि शिक्षक केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि जीवन का मार्गदर्शक है। प्राचीन भारतीय दृष्टि में शिक्षा का उद्देश्य ह्यसा विद्या या विमुक्तयेह्न रहा है, अर्थात शिक्षा वही है जो मुक्ति दिलाए। लेकिन आधुनिक परिप्रेक्ष्य में यह ह्यसा विद्या या नियुक्तयेह्न बन गई है अर्थात शिक्षा वही है जो नौकरी दिलाए। यही कारण है कि स्कूलों और विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ने के बावजूद समाज में अपराध और भ्रष्टाचार भी बढ़ रहे हैं।

महात्मा गांधी का यह कथन आज भी प्रासंगिक है-ह्लएक स्कूल खुलेगा तो सौ जेलें बंद होंगी ह्व परन्तु आज स्थिति इसके विपरीत है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने इस दृष्टिकोण को बदलने का प्रयास किया है। इसमें केवल क्या पढ़ना है पर ही नहीं, बल्कि कैसे पढ़ना है, इस पर भी जोर दिया गया है। आलोचनात्मक सोच, समस्या-समाधान, उद्यमशीलता और नैतिकता को शिक्षा के केंद्र में रखा गया है। लेकिन इन सभी का केन्द्रबिंदु शिक्षक ही है। यदि शिक्षक प्रेरणाहीन, निरुत्साहित या असंवेदनशील होंगे तो कोई भी नीति सफल नहीं हो सकती। शिक्षा केवल किताबों और पाठ्यक्रम से नहीं, बल्कि शिक्षक की जीवंत उपस्थिति से सार्थक होती है। पूर्व राष्ट्रपति एवं वैज्ञानिक डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने कहा था-ह्लअगर कोई देश भ्रष्टाचार मुक्त है और सुंदर दिमागों का राष्ट्र बन गया है, तो उसके लिए तीन प्रमुख व्यक्ति जिम्मेदार होंगे-पिता, माता और शिक्षक ह्व यह कथन शिक्षक के महत्व को सर्वोच्च स्थान पर स्थापित करता है। भारत अमृतकाल की ओर बढ़ रहा है। 2047 तक विकसित भारत का स्वप्न तभी साकार होगा जब हमारे शिक्षक नई पीढ़ी को केवल ज्ञानवान नहीं, बल्कि चरित्रवान भी बनाएंगे।

राष्ट्रीय स्तर पर भी शिक्षा की भूमिका अत्यंत निर्णायक है। नेल्सन मंडेला ने कहा था-ह्लशिक्षा सबसे शक्तिशाली हथियार है, जिससे दुनिया बदली जा सकती है ह्व युद्ध और आतंक के बीज मानव मस्तिष्क में जन्म लेते हैं, इसलिए बचपन से ही शांति और सह-अस्तित्व के बीज बोने होंगे। बच्चों को अपने देश से प्रेम के साथ विश्व-प्रेम यानी मानवता का पाठ सिखाना होगा, तभी दुनिया से युद्ध, हिंसा, आतंक का खात्मा होगा। भारतीय संस्कृति का ह्लवसुधैव कुटुम्बकम्ह्व मूल मंत्र इसमें सहायक बन सकता है। लेकिन वास्तविकता यह है कि शिक्षा और शिक्षक दोनों का स्वरूप धीरे-धीरे मिशन से व्यवसाय की ओर झुकता जा रहा है। ज्ञान की बोली लग रही है, शिक्षक और छात्र के संबंधों में अविश्वास और हिंसा की खबरें बढ़ रही हैं। शिक्षा का व्यापारीकरण रोकने और उसे मानवीय मूल्यों से जोड़ने की जिम्मेदारी सबसे पहले शिक्षकों पर ही आती है।

आज आवश्यकता केवल शिक्षा क्रांति की नहीं, बल्कि शिक्षक क्रांति की भी है। अच्छे पाठ्यक्रम, नई तकनीक और आधुनिक संस्थानों की व्यवस्था तभी सार्थक है जब उनके केंद्र में ऐसे शिक्षक हों, जो छात्रों को प्रेरणा दें, जो उनके सर्वांगीण विकास का माध्यम बनें। खेत, बीज और उपकरण के रहते हुए किसान न हो तो सब बेकार है। उसी प्रकार, विद्यालय, पाठ्यक्रम और तकनीक के रहते हुए यदि शिक्षक नहीं हैं तो सब निरर्थक है। स्वामी विवेकानंद ने भी कहा था-ह्लसर्वांगीण विकास का अर्थ है हृदय से विशाल, मन से उच्च और कर्म से महान ह्व शिक्षक ही ऐसे व्यक्तित्व गढ़ते हैं। शिक्षा के बदलते अर्थ ने समाज की मानसिकता को बदल दिया है। यही कारण है कि आज समाज में लोग केवल शिक्षित होना चाहते हैं, सुशिक्षित यानी गुण-सम्पन्न नहीं बनना चाहते। मानो उनका लक्ष्य केवल बौद्धिक विकास ही है। इन स्थितियों से शिक्षकों को बाहर निकलने में नई शिक्षा नीति से बहुत अपेक्षाएं हैं।

भारत की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रमुख उद्देश्य बच्चों को केवल साक्षर बनाना नहीं, बल्कि उनमें सामाजिक और भावनात्मक कौशल का विकास करना है। 2030 तक स्कूली शिक्षा के सार्वभौमिकरण का लक्ष्य इसी दृष्टि से रखा गया है। किंतु संसाधनों की कमी, प्रशिक्षित शिक्षकों की अनुपलब्धता और बदलते सामाजिक परिवेश की चुनौतियां इस दिशा में बड़ी बाधाएं हैं। इसके बावजूद भारत में शिक्षा की परंपरा इतनी प्राचीन और समृद्ध रही है कि विदेशी विद्वान भी इसकी प्रशंसा करते आए हैं। एफ. डब्ल्यू. टॉमस ने लिखा है-ह्लभारत में शिक्षा विदेशी पौधा नहीं है। संसार का कोई भी ऐसा देश नहीं है, जहां ज्ञान के प्रति प्रेम का इतने प्राचीन समय में आविर्भाव हुआ हो या जिसने इतना चिरस्थायी और शक्तिशाली प्रभाव डाला हो ह्व वर्तमान समय में शिक्षक की भूमिका भले ही बदली हो, लेकिन उनका महत्व एवं व्यक्तित्व-निर्माण की जिम्मेदारी अधिक प्रासंगिक हुई है। क्योंकि सर्वतोमुखी योग्यता की अभिवृद्धि के बिना युग के साथ चलना और अपने आपको टिकाए रखना अत्यंत कठिन होता है। फौलाद-सा संकल्प और सब कुछ करने का सामर्थ्य ही व्यक्तित्व में निखार ला सकता है। शिक्षक ही ऐसे व्यक्तित्वों का निर्माण करते हैं।

आर्थिक आपाधापी, आतंक, युद्ध एवं हिंसा के आधुनिक युग में शिक्षकों की भूमिका बहुत अधिक महत्वपूर्ण हो गई है क्योंकि वे छात्रों को न केवल ज्ञान देते हैं, बल्कि उन्हें जीवन में जरूरी कौशल भी सिखाते हैं। शिक्षक छात्रों के साथ सहयोग करते हुए उन्हें नैतिक मूल्यों एवं शांतिपूर्ण जीवन के बारे में भी समझाते हैं जो एक अच्छे नागरिक के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिये शिक्षक को ऐसे छात्र तैयार करने होंगे जो वैज्ञानिक-आध्यात्मिक हो, जिनमें बौद्धिकता एवं भावनात्मकता के साथ शारीरिक एवं मानसिक विकास हो। शिक्षक दिवस 2025 का वास्तविक संदेश यही होना चाहिए कि शिक्षक केवल पेशेवर नहीं, बल्कि समाज की आत्मा के निमार्ता हैं। भारत यदि पुनः विश्वगुरु बनना चाहता है तो उसे केवल नई शिक्षा नीति ही नहीं, बल्कि निष्ठावान और दूरदर्शी शिक्षकों की फौज तैयार करनी होगी।

मोदी का नहले पे दहला, राहुल-तेजस्वी होंगे पस्त

अशोक भाटिया

पिछले 2 हफ्तों से देश में राहुल गांधी की वोटर्स अधिकार यात्रा को लेकर को लेकर बहुत चर्चे थे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बिहार विधानसभा चुनावों की दिशा ही मोड़ दी है। मोदी ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस द्वारा अपनी स्वर्गीय मां हीराबेन मोदी के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणियों को एक शक्तिशाली भावनात्मक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने का संकेत दे दिया है। मां की गाली के नैरेटिव को बिहार की सांस्कृतिक और सामाजिक पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए मातृ-सम्मान से जोड़कर मोदी ने मतदाताओं को प्रभावित करने की रणनीति अपनाई है। आइये देखते हैं कि मोदी का यह भावनात्मक दांव बिहार विधानसभा चुनावों में कितना कारगर हो सकता है? दरअसल 27 अगस्त 2025 को दरभंगा के जाले में वोटर अधिकार यात्रा के दौरान कांग्रेस के एक स्थानीय नेता मो. नौशाद ने कथित तौर पर मंच से मोदी और उनकी मां के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। इस वायरल वीडियो को भाजपा ने मां की गाली बताया था । भाजपा का कहना था कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव इस मंच पर मौजूद थे, पर इस टिप्पणी को रोकने की कोशिश नहीं की।

आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में, राजद और कांग्रेस भाजपा, मोदी और नीतीश कुमार के गठबंधन के खिलाफ खड़े हैं। राहुल गांधी अपने पास मौजूद सभी रणनीति आजमा रहे हैं और इसलिए चुनाव जीतने के लिए दृढ़ हैं। राहुल संवैधानिक मानसिकता के साथ बोलते हैं और महसूस करते हैं कि जितना अधिक वह मोदी की आलोचना करते हैं, उतना ही लोग इसे बर्दाश्त करते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है। लोगों को राजनीतिक विरोधियों की आलोचना करने का अधिकार है लेकिन किसी को भी व्यक्तियों और किसी की मां और परिवार की आलोचना करने का अधिकार नहीं है। मोदी ने अपने भाषण में तुरही बजाई, लेकिन राहुल को दोष क्यों दें? उनकी मां सोनिया गांधी ने भी मोदी की आलोचना की है, इसलिए राहुल और विपक्ष के लिए मोदी की दिवंगत मां की आलोचना करने का रिवाज है।

कांग्रेस को सत्ता से बेदखल करते ही वह और भी आक्रामक हो गई है, क्योंकि कांग्रेसियों ने सोचा था कि यह देश उनका है और उन्होंने इसे हमेशा के लिए उन्हें सौंप दिया है। लेकिन मोदी ने कांग्रेस के इन विचारों को तोड़ना शुरू कर दिया और तभी से कांग्रेस की हथेलियों की आग सिर पर जाने लगी। भाजपा जो विपक्ष में भी थी, सरकार के कामकाज की आलोचना करती थी। लेकिन वह इतने निचले स्तर पर कभी नहीं गई। यहां तक कि नेहरू के समय में जब भारत चीन से हार गया था, राम मनोहर लोहिया नेहरू के बहुत आलोचक थे, लेकिन जनसंघ चुप रहा। एक स्थानीय कांग्रेस समर्थक मोहम्मद रिजवी ने मोदी की दिवंगत मां की आलोचना की और फिर मोदी का गुस्सा बढ़ गया। एक विपक्षी दल के रूप में, उनकी नीतियों की आलोचना करना ठीक है, लेकिन किसी के लिए भी उनकी दिवंगत मां की आलोचना करना उचित नहीं है। लेकिन कांग्रेस की ओर से किसी ने भी इसके लिए माफी नहीं मांगी है। यह राजनीतिक अहंकार है और यह राहुल है बल्कि पूरा गांधी परिवार भी है। राहुल ने बिहार विधानसभा चुनावों में बोलना बंद कर दिया है। उन्होंने कई बार आयोग की आलोचना की है और हर बार उन्हें आयोग द्वारा फटकार लगाई गई है। लेकिन वे इससे सीखेंगे। तो वीर सावरकर की आलोचना के दौरान भी ऐसा ही हुआ। राहुल खुद को राजकुमार मानता है और इसलिए वह सोचता है कि सभी लोग उसके गुलाम हैं। लेकिन 55 वर्षीय नेता अभी तक देश के किसी भी राज्य में शानदार सफलता हासिल नहीं कर पाए हैं। फिर भी, कांग्रेस के लोगों को लगता है कि राहुल कांग्रेस को अतीत की सफलता की ओर ले जाएंगे। लेकिन राहुल इस मामले में विफल रहे हैं। राजद हो या अखिलेश की समाजवादी पार्टी, ये सभी जानते तक नहीं हैं कि राजनीति में न्यूनतम नैतिकता बनाए रखनी है। राहुल ने हाल ही में बिहार में वोट चोरी के खिलाफ यात्रा निकाली, लेकिन उसे ठंडी प्रतिक्रिया मिली। राहुल को अपनी आलोचना के नतीजों को जानना चाहिए। विपक्ष ने ऐसे बात करना शुरू कर दिया है जैसे कोई संतुलन ही नहीं है, इसलिए जनता इन विपक्षी दलों खासकर राहुल और तेजस्वी को सबक नहीं सिखा पाएगी।

हमारी संस्कृति में कहा गया है कि मां सबसे ऊपर है। लेकिन राहुल, जिसे किसी भी भारतीय मूल्यों की चिंता नहीं है, मां के महत्व को क्या जानना चाहिए। राहुल, जो इतालवी संस्कृति में पले-बढ़े हैं, अपनी मां के महत्व को जानते हैं। राहुल सत्ता खोने से परेशान हैं और इसलिए वह इस तरह के आरोप लगा रहे हैं। वह हर उस राज्य में हार गए जहां उन्होंने यात्रा की। कांग्रेस को अब इन पराजयों के बारे में पता नहीं है। उन्होंने कहा, 'राहुल को माफी मांगनी चाहिए। अब भी राहुल उसी सामंती मानसिकता के साथ मोदी पर आरोप लगा रहे हैं। उन्हें चौकीदार कहा जाना चाहिए और कभी-कभी राफेल जेट पर मोदी द्वारा उनकी आलोचना की जानी चाहिए, लेकिन यह जनत थे जिन्होंने उन्हें नकार दिया। राहुल और तेजस्वी बिहार विधानसभा चुनाव में हार का सामना कर रहे हैं, इसलिए वे मोदी की आलोचना कर रहे हैं और उनकी दिवंगत मां की आलोचना कर रहे हैं। लेकिन इसने विपक्ष को और भी उजागर कर दिया है। सभी को इस पर एक छाप रखनी चाहिए। क्योंकि चुनाव आते हैं और जाते हैं लेकिन शब्द बने रहते हैं।

बहरहाल बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में भाजपा के लिए यह दांव नरेटिव सेट करने में कितना कारगर होगा, यह बिहार के मतदाता समीकरण, एनडीए की एकता, और विपक्ष की कमजोरियों पर निर्भर करता है। बिहार में मातृ-सम्मान गहरा सांस्कृतिक मूल्य है, खासकर छठ पूजा जैसे त्योहारों के संदर्भ में। मोदी ने कहा कि कांग्रेस और राजद ने मेरी मां को गाली दी, जो हर बिहारी मां का अपमान है। इसे छठी मैया से जोड़कर उन्होंने ग्रामीण और महिला मतदाताओं को लक्षित किया। सोशल मीडिया पर जनता का गुस्सा दिख रहा है। लोग इसे बिहार की संस्कृति का अपमान बता रहे हैं। यह नरेटिव OBC, EBC, और दलित समुदायों, जो एनडीए के वोट बैंक हैं, में सहानुभूति जगा सकता है। कांग्रेस की रक्षात्मक प्रतिक्रिया जैसे सुप्रिया श्रीनेत का कहना कि वीडियो नहीं देखा है या तेजस्वी की चुप्पी ने भाजपा को नरेटिव सेट करने में बढ़त दे सकती है।

मोदी का यह दांव न केवल मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिश है, बल्कि एनडीए के सहयोगी दलों जनता दल (यूनाइटेड), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) , और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा को एकजुट करने का भी प्रयास है। पिछले दिनों कई बार देखा गया कि एनडीए के सहयोगी दल आपस में सिर फुटौव्वल के लिए तैयार थे।

चिराग पासवान , जेडीयू और हम के बीच खींचतान दिख रही थी। अभी सीटों बंटवारे को लेकर भी ठन सकती है। पर इन सब मुद्दों पर मोदी की मां को गाली भारी पड़ गई है। यह नरेटिव जेडीयू को भाजपा के साथ मजबूती से जोड़ता है। चिराग ने इसे बिहार की अस्मिता पर हमला बताया, जो पासवान और एइउ समुदायों को प्रभावित करता है। उनकी युवा अपील और मोदी के साथ नजदीकी ने इस नरेटिव को एइउ और दलित वोटरों तक पहुंचाया। चिराग की सक्रियता, जैसे विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लेना ने छखढ को एनडीए के भीतर मजबूत किया। जीतन राम मांझी ने इसे महागठबंधन की नैतिक हार करार दिया। जिससे दलित (मुसहर) समुदाय में भाजपा का समर्थन बढ़ेगा।

मोदी का यह दांव बिहार की सांस्कृतिक संवेदनशीलता विशेष रूप से मातृ-सम्मान से जुड़ा है । जाहिर है कि भाजपा की कोशिश है कि किसी भी तरह महिला मतदाताओं को प्रभावित किया जा सके।यह कोई गोपनीय तथ्य नहीं है कि बिहार में महिला मतदाताओं की भागीदारी हाल के वर्षों में बढ़ी है। 2020 के विधानसभा चुनाव में 59.7% महिलाओं ने मतदान किया, जो पुरुषों (57.5%) से अधिक था। यही कारण है कि सभी दलों का मुख्य फोकस महिला मतदाताओं पर ही है।

बिहार में मातृ-सम्मान गहरा सांस्कृतिक मूल्य है, खासकर छठ पूजा जैसे त्योहारों के संदर्भ में। भाजपा और एनडीए ने इस दांव को महिला वोटरों तक पहुंचाने के लिए कई कदम उठाए हैं। भाजपा महिला मोर्चा ने बिहार और झारखंड में विरोध मार्च निकाले, इसे नारी सम्मान से जोड़ा। नीतीश कुमार की जीविका दीदी योजना, जो 1.5 करोड़ महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ती है को मोदी ने इस नरेटिव के साथ जोड़ा। उन्होंने कहा, जीविका दीदियां बिहार की शक्ति हैं, और मां का अपमान उनकी ताकत को चुनौती देता है।

बड़ा गुणकारी है बाड़ का कंकोडा

जब बारिश की पहली फुहार तपती भूमि पर पड़ती है तो कई महीनो से प्यासी वसुंधरा अपनी प्यास बुझाती है और जब बारिश की बूंदों की मात्रा बेजा हो जाती हैं तो धरती का श्रृंगार फैली हरितमा से होने लगता है,चारों ओर हरियाली का साम्राज्य देखने को मिलता है मौसम सुहाना लगने लगता है। प्रकृति पर बिखरे बीज स्वतःही धरती को चीरते हुए उगने लगते है और सहारा पाकर अपना अस्तित्व भूमि पर जमाने लगते हैं।देखा जाए तो इस धरा पर ऐसा कोई भी पेड़ पौधा हर आए मानसून में नही उगता जिसका कोई उपयोग न हो,यह दीगर बात है कि हम अज्ञानता की औट में इनका उपयोग नही कर सकते,महत्व को नही जान पाते।गौर करें तो इनमे कई ऐसे भी औषधीय पौधे होते हैं,जिनका उपयोग दवाई बनाने में होता रहा है। आपको बता दे,इनका पंचाग उपयोग में आता है। मिलने वाले फलों का सेवन भी इस ऋतु में किया जाए तो इम्यूनिटी बढ़ाने के साथ साथ कई रोगों में फायदेमंद भी रहते हैं। ऐसा ही यह एक बेल पर लगने वाला फल है जिसका सेवन वर्षा ऋतु में किया जाए तो अनगिनत फायदे मिलते हैं बशर्ते इसकी सब्जी बनाकर रोज खाने से हमे मिलती रहे।

बरसात शुरू होते ही महीने भर में खेतों की बाड़ पर कंकोड़ा लगना शुरू हो जाते हैं और बरबस ही राहगीर का ध्यान अपनी ओर खींच लेते हैं। देखने में कंकोड़ा सुंदर लगता है।जानकर बताते है यह दो प्रकार के होते हैं। रोयेदार व मोडा,पर दोनों की ही सब्जी पौष्टिक स्वादिष्ट व गुणकारी होती हैं। कंकोड़ा की बहुवर्षीय मांसल कन्द रूपी जड़ जमीन में सुप्तावस्था में पड़ी रहती हैं।बरसात की छांट लगते ही इस मौसम में इसकी बेल (लता) बाड़ पर तीव्रगति से छा जाती हैं, तेजी से फैलने लगती है।इसके पीले-पीले फूल सुन्दर लगते हैं और इन्हीं फूलों से बाद में बेलों पर कंकोड़ा तैयार होने लगते हैं। ग्रामीण लोग इसको बाड़ों से तोड़कर, इक्ट्ठा करके पास के बाजार या मंडी में बेचने के लिए लाते हैं।जानकर लोग तो मोल भाव कर बेचने जाने वालों से बीच रास्ते में चाहे जहां ही खरीद लेते हैं। बहुत अधिक मात्रा में हो तो आस-पास के मंडी बाजारों में बेचते देखा गया हैं। होने को तो यह करेला प्रजाति का ही होता है पर कंकोड़ा की फसल बोयी नहीं जाती।यह तो मेह्ह बाबा की मेहरबानी से ही उगती है और प्राकृतिक रूप से फिजा में फैलती है। यह दो से तीन महीने तक उपलब्ध रहती हैं।कंकोड़ा की पैदावार असिंचित व ऑर्गेनिक होती है। इस पर लगने वाला हरे रंग का फल कांटेदार होता है किंतु लाजवाब व गुणकारी सब्जी के लिए जाना जाता है व काम आता हैं। पकने पर यह लाल और मीठा हो जाता हैं ,तब इसे सिर्फ पक्षी ही बड़े चाव से खाते हैं।देखा जाए तो यह फल अगस्त के लास्ट तक व सितम्बर के शुरूवात में भी देखा जा सकता है।इसका फल पकने के बाद तो पक्षी ही इसे खाते हैं।

कंकोड़ा की सब्जी तो स्वादिष्ट बनती ही है कहीं कहीं इसका आचार भी डाला जाता है। इसका आचार ज्यादा समय तक नहीं चलता है,जल्दी खराब हो जाता हैं। बताया जाता है यह बहुत ही ताकतवर व खाने में स्वादिष्ट होता हैं।नाम भेद से इसको जंगली करेला या बाड़ का करेला भी कहते हैं।गुणिजनों की नजर में यह एक औषधीय सब्जी हैं।इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर, प्रोटीन,वसा,काबोर्हाइड्रेड जैसे तत्व पाये जाते हैं,जो बॉडी बनाने में व काया को निरोगी बनाए रखने में मददगार होता है।पाइल्स के रोग में तो इसकी सब्जी बेजा फायदा करती हैं। विटामिन ए की मात्रा पाई जाने से यह आँखों के लिये भी लाभप्रद होता हैं।गर्भावस्था में किसी कारण से आई थोड़ी बहुत थकान को दूर भी करती हैं। बताया गया है की कंकोड़ा खाने से कैंसर की संभावना कम हो जाती हैं, शरीर में उपस्थित फ्री रेडिकल को कम करने में कंकोड़ा मदद करता हैं। गाँव हो या शहर इसकी सब्जी बड़े चाव से खायी जाती हैं। गाँव में पहले तो यह मुफ्त में ही मिल जाता था या बाड़ों से तोड़ कर लाया जाता था पर आजकल यह भी गांव ढाणियों से बिकने की लिए तोड़ कर लाया जाता है और जानकर लोग महंगे भाव में भी खरीद कर इसकी सब्जी बड़े चाव से खाते हैं। अनुमानत 60 से 100 रुपए किलो तक यह मंडियों में कभी कभी बिकने के लिए उपलब्ध रहता है।इसकी वैसे तो कमी सी ही होती हैं। पर हां जिनके पास अन्य सब्जी के पैसे नही हो तो वो लोग इसकी पौष्टिक सब्जी खा सकते है। बाजारीकरण के चलते जंगलों में रहने वाले आदिवासी लोग तो इसको इकट्ठा करके बेचते हैं और मिले पैसों से अन्य जरूरत का सामान खरीदते हैं।इस प्रकार बाड़ से शुरू होकर मंडियों तक चलता रहता है चौमासे में बाड़ के करेले का सफर। इसको इधर की भाषा में कंकेड़िया भी बोलते हैं। प्रस्तुतिः डॉ. राजेन्द्र कुमावत चिराना, आयुर्वेद विशेषज्ञ

समाज के प्रकाश स्तम्भ होते हैं शिक्षक

-रमेश सर्राफ धमोरा

5 सितम्बर शिक्षक दिवस पर विशेष

हमारे देश में शिक्षकों को भगवान से भी ऊपर का दर्जा दिया गया है। इसीलिए प्रतिवर्ष शिक्षक को सम्मान देने के लिए 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के लिए रूप में मनाया जाता है। हर देश में शिक्षक दिवस को मनाने की तारीख अलग-अलग है। चीन में 10 सितम्बर तो अमेरिका में छह मई, ऑस्ट्रेलिया में अक्तूबर का अंतिम शुक्रवार, ब्राजील में 15 अक्तूबर और पाकिस्तान में पांच अक्तूबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। इसके अलावा ओमान, सीरिया, मिस्त्र, लीबिया, संयुक्त अरब अमीरात, यमन, सऊदी अरब, अल्जीरिया, मोरक्को और कई इस्लामी देशों में 28 फरवरी को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। लेकिन भारत में शिक्षक दिवस को दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में 5 सितंबर को मनाया जाता है।

शिक्षक हमें जीवन में सफलता के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल देते हैं। शिक्षक हमारे व्यक्तित्व को तैयार करते हैं। चरित्र को ढालने और मूल्यों को स्थापित करने में मदद करते हैं। हमें एक अच्छा नागरिक भी मनाने में मदद करते हैं। शिक्षक ही है जो छात्रों को जीवन का नया अर्थ सिखाता है। वे हमें सही रास्ता दिखाते हैं और कुछ भी गलत करने से रोकते हैं। वे बाहर से देख सकते हैं। वे प्रत्येक छात्र की देखभाल करते हैं और उनके विकास की कामना करते हैं। उस छात्र को मत भूलो जो छात्र अपने शिक्षकों का सम्मान नहीं करता है। वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ता है। शिक्षक छात्र के व्यक्तित्व को ढालते हैं। वे एकमात्र निःस्वार्थ व्यक्ति हैं जो खुशी-खुशी बच्चों को अपना सारा ज्ञान देते हैं। कहा जाता है कि गुरु के बिना ज्ञान अधूरा रहता है। यह बात बिल्कुल सत्य है।

हमारे जीवन में सबसे पहली गुरु तो मां होती है जो हमें जन्म लेते ही हर बातों का ज्ञान कराती है। मगर विद्यार्थी काल में बालक के जीवन में शिक्षक एक ऐसा गुरु होता है जो उसे शिक्षित तो करता ही है साथ ही उसे अच्छे बुरे का ज्ञान भी कराता है। पहले के समय में तो छात्र गुरुकुल में शिक्षक के पास रहकर वर्षों विद्या अध्ययन करते थे। उस दौरान गुरु अपने शिष्यों को विद्या अध्ययन करवाने के साथ ही स्वावलंबी बनने का पाठ भी पढ़ाते थे। इसीलिए कहा गया है कि गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागू पाय, बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताए। गुरु का स्थान ईश्वर से भी बड़ा माना गया है, क्योंकि गुरु के माध्यम से ही व्यक्ति ईश्वर को भी प्राप्त करता है।

हमारे जीवन को संवारने में शिक्षक एक बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। सफलता प्राप्ति के लिये वो हमें कई प्रकार से मदद करते है। जैसे हमारे ज्ञान, कौशल के स्तर, विश्वास आदि को बढ़ाते है तथा हमारे जीवन को सही आकार में ढ़ालते है। कबीर दास ने शिक्षक के कार्य को इन पंक्तियो में समझाया हैः-

गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़ि गढ़ि काढ़ै खोट, अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट

कबीर दास जी कहते है कि शिक्षक एक कुम्हार की तरह है और छात्र पानी के घड़े की तरह। जो उनके द्वारा बनाया जाता है और इसके निर्माण के दौरान वह बाहर से घड़े पर चोट करता है। इसके साथ ही सहारा देने के लिए अपना एक हाथ अंदर भी रखता है।

भारत में भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस पांच सितम्बर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को 1962 से शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने अपने छात्रों से अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की इच्छा जताई थी।

देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ राधाकृष्णन का जन्म पांच सितम्बर 1888 को तमिलनाडु के तिरुमनी गांव में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। वे बचपन से ही किताबें पढ़ने के शौकीन थे और स्वामी विवेकानंद से काफी प्रभावित थे। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक महान शिक्षक थे। जिन्होंने अपने जीवन के 40 वर्ष अध्यापन पेशे को दिया है। वो विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षकों के योगदान और भूमिका के लिये प्रसिद्ध थे। इसलिये वो पहले व्यक्ति थे जिन्होंने शिक्षकों के बारे में सोचा और हर वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रुप में मनाने का अनुरोध किया। उनका निधन 17 अप्रैल 1975 को चेन्नई में हुआ था।

डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने 1909 में चेन्नई के प्रेसिडेंसी कॉलेज में अध्यापन पेशे में प्रवेश करने के साथ ही दर्शनशास्त्र शिक्षक के रुप में अपने करियर की शुरूआत की थी। उन्होंने बनारस, चेन्नई, कोलकाता, मैसूर जैसे कई प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों तथा विदेशों में लंदन के ऑक्सफोर्ड जैसे विश्वविद्यालयों में दर्शनशास्त्र पढ़ाया था। अध्यापन पेशे के प्रति अपने समर्पण की वजह से उन्हें 1949 में विश्वविद्यालय छात्रवृत्ति कमीशन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

वर्तमान समय में शिक्षकों का समाज में सम्मान कम होने लगा है। बहुत से शिक्षकों की घटिया हरकतों ने उनको समाज की नजरों से गिरा दिया है। स्कूल, कालेजों में छात्र, छात्राओं के साथ शिक्षकों द्वारा नीच हरकते करने के चलते शिक्षण जैसा पवित्र कार्य बदनाम होता जा रहा है। मौजूदा दौर में शिष्य भी कुछ कम नहीं हैं। छात्रों की अनुशासनहीना के चलते स्कूल, कालेजों में शिक्षा का वातावरण समाप्त होता जा रहा है। गुरू शिष्य को एक दूसरे की भावनाओं को समझ कर मिलजुल कर ज्ञान की ज्योति जलानी होगी। शिक्षक दिवस मनाने के साथ हमें शिक्षण कार्य की पवित्रता को फिर से बहाल करने की प्रतिज्ञा भी लेनी होगी। तभी हमारा शिक्षक दिवस मनाना सार्थक हो पायेगा।

शिक्षक विद्यार्थियो के जीवन के वास्तविक निमार्ता होते हैं जो न सिर्फ हमारे जीवन को आकार देते हैं। बल्कि हमें इस काबिल बनाते हैं कि हम पूरी दुनिया में अंधकार होने के बाद भी प्रकाश की तरह जलते रहें। शिक्षक समाज में प्रकाश स्तम्भ की तरह होता है। जो अपने शिष्यों को सही राह दिखाकर अंधेरे से प्रकाश की और ले जाता है। शिक्षकों के ज्ञान से फैलने वाली रोशनी दूर से ही नजर आने लगती है। इस वजह से हमारा राष्ट्र ढ़ेर सारे प्रकाश स्तम्भों से रोशन हो रहा है। इसलिये देश में शिक्षकों को सम्मान दिया जाता है। शिक्षक और विद्यार्थी के बीच के रिश्तों को सुदृढ़ करने को शिक्षक दिवस एक बड़ा अवसर होता है।

पुराने समय में शिक्षकों को चरण स्पर्श कर सम्मान दिया जाता था। परन्तु आज के समय में शिक्षक और छात्र दोनो ही बदल गये है। पहले शिक्षण एक पेशा ना होकर एक उत्साह और एक शौक का कार्य था। पर अब यह मात्र एक आजीविका चलाने का साधन बनकर रह गया है। शिक्षक एक व्यक्ति के जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। शिक्षक एक मार्गदर्शक, गुरु, मित्र होने के साथ ही और कई भूमिकाएं निभाते है। यह विद्यार्थी के उपर निर्भर करता है कि वह अपने शिक्षक को कैसे परिभाषित करता है। संत तुलसी दास के ने इसे नीचे के पंक्तियों में बहुत ही अच्छे तरीके से समझाया है।

जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी

संत तुलसी दास ने बताया है कि भगवान, गुरु एक व्यक्ति को वैसे ही नजर आयेंगे जैसा कि वह सोचेगा। उदहारण के लिए अर्जुन भगवान श्रीकृष्ण को अपना मित्र मानते थे। वही मीरा बाई भगवान श्रीकृष्ण को अपना प्रेमी। ठीक इसी प्रकार से यह शिक्षक के उपर भी लागू होता है। इसीलिए कहते हैं कि शिक्षक समाज का पथ प्रदर्शक होता है।

शिक्षक दिवस को स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षक और विद्यार्थियों के द्वारा बहुत ही खुशी और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन विद्यार्थियों से शिक्षकों को ढ़ेर सारी बधाईयां मिलती है। भारत में शिक्षक दिवस शिक्षको के सम्मान में मनाया जाता है। शिक्षक पूरे वर्ष मेहनत करते है और चाहते है कि उनके छात्र विद्यालय और अन्य गतिविधियों में अच्छा प्रदर्शन करें। शिक्षक दिवस पर पूरे देश के विद्यालयों में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

हजारों अद्वितीय उत्पादों के विशेष संग्रह के साथ ज्ञान भवन में शुरू हुआ वार्षिक दशहरा मेला

पटना। बिहार महिला उद्योग संघ द्वारा आयोजित वार्षिक दशहरा मेला - 2025 के चौथे संस्करण का शुभारंभ गुरुवार को ज्ञान भवन में किया गया। इस मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि बंदना प्रियसी, सचिव, समाज कल्याण विभाग सह प्रबंध निदेशक महिला एवं बाल विकास निगम, बिहार सरकार के कर - कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर गौतम कुमार सिंह, सीजीएम नाबार्ड, पटना, एच मेवाती, निदेशक, खादी ग्रामोद्योग आयोग, पटना, अजय साहू, जीएम, नाबार्ड, केपीएस केशरी, अध्यक्ष, बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, पटना, अनुभा प्रसाद, जीएम, सिडबी, पटना, अशोक कुमार सिन्हा, अपर निदेशक, बिहार म्यूजियम, पटना, मुकेश कुमार, सहायक निदेशक, हस्तशिल्प विकास आयोग कार्यालय, वस्त्र मंत्रालय, पटना, अंजलि, ओएसडी, समाज कल्याण विभाग, बिहार, इंदु अग्रवाल, उपाध्यक्ष, बिहार महिला उद्योग संघ व बिहार महिला उद्योग संघ के वरीय पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में लोगों को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि बंदना प्रियसी, सचिव, समाज कल्याण विभाग सह प्रबंध निदेशक महिला एवं बाल विकास निगम, बिहार सरकार ने पटना में राष्ट्रीय स्तर के आयोजन के लिए बिहार महिला उद्योग संघ को अपनी शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि बिहार महिला उद्योग संघ स्थानीय उद्यमियों और कलाकारों को आगे बढ़ाने का निरंतर कार्य कर रहा है।

भिवंडी में राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन कर तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। मुंबई में मनोज जारांगे के सफल विरोध प्रदर्शन के बाद महाराष्ट्र में ओबीसी समुदाय में भारी असंतोष है। ओबीसी समुदाय ओबीसी वर्ग से मराठों को जाति प्रमाण पत्र जारी करने का विरोध कर रहा है। जिसके लिए राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ की ओर से राज्य भर में विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। इसी तरह भिवंडी में महासंघ के तालुका अध्यक्ष भगवान ठाकुर के नेतृत्व में भिवंडी उप-विभागीय अधिकारी कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया गया। विरोध प्रदर्शन में पूर्व विधायक योगेश पाटिल, रूपेश म्हात्रे, शिवसेना ठाकरे समूह के उपनेता विश्वास थले, सोन्या पाटिल, सुरेश पाटिल, यशवंत सोरे, तानाजी मोरे, मनोज गगे, विनोद पाटिल, विराज चोरघे, दिलीप नाइक, नंदिनी भोईर, नलिनी चौधरी, शोभा म्हात्रे, सुनील पाटिल, ज्ञानेश्वर मुकादम, मनोहर तरे सहित बड़ी संख्या में ओबीसी समुदाय के सदस्य इस विरोध प्रदर्शन में शामिल थे। मराठा जाति को ओबीसी वर्ग में शामिल नहीं किया जाए तथा ओबीसी बच्चों को व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए 100 प्रतिशत छात्रवृत्ति दी जाए। विदेश में शिक्षा के लिए ओबीसी मेधावी छात्रों की संख्या 75 से बढ़ाकर 200 की जाए। राज्य सरकार महाज्योति संस्था के लिए 1000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया जाये, और भारी बारिश से जिन किसानों की फसलें बर्बाद हुई हैं उन्हें तत्काल मुआवजा दिया जाए। म्हाडा और सिडको द्वारा बनाए जा रहे घरकुल योजना में ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षण दिये जाने सहित अन्य मांगें रखी गईं। अन्य मांगों का ज्ञापन उपविभागीय अधिकारी के अनुपस्थित पर तहसीलदार अभिजीत खोले को सौंपा गया।

डॉ. रागिनी सोनकर का महाराष्ट्र में भव्य स्वागत

◆समाजवादी और कांग्रेस नेताओं की उपस्थिति में हुआ समारोह

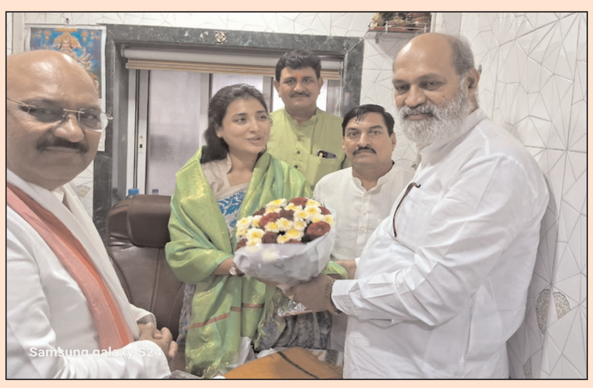

ठाणे(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले की मछलीशहर विधानसभा से समाजवादी पार्टी की लोकप्रिय विधायक डॉ. रागिनी सोनकर का आज महाराष्ट्र की धरती पर थाने वागले स्टेट में भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। समारोह में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ-साथ कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम न केवल एक राजनीतिक मिलन था, बल्कि सामाजिक एकता और विचारधारात्मक सहयोग का प्रतीक भी बना।

उपस्थित प्रमुख नेताओं में वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहन तिवारी, सी एल तिवारी, लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं ब्लॉक प्रमुख प्र.प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल रिंकू, विजय मिश्रा, आदेश मिश्रा, सत्य प्रकाश दुबे, मेहुल वशिष्ठ, प्रमोद तिवारी, कार्तिकेय, राजकुमार विश्वकर्मा एवं राम दरस चौहान शामिल रहे। इनके अलावा बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता भी इस स्वागत समारोह में शरीक हुए। समारोह में डॉ. रागिनी सोनकर ने समाजवादी विचारधारा को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई और कहा कि ?देश में सामाजिक न्याय, समानता और धर्मनिरपेक्षता की रक्षा के लिए युवाओं की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम का उद्देश्य समाजवादी पार्टी के संगठन को महाराष्ट्र में मजबूत करना और उत्तर भारत के मूल प्रवासी समाज को राजनीतिक रूप से जागरूक करना भी था।

आईफोन जैसे डिजाइन वाला 'आईटेल A90 लिमिटेड एडिशन' लॉन्च

मुंबई। आइटेल ने आज अपना नया A90 लिमिटेड एडिशन स्मार्टफोन लॉन्च किया है। यह फोन 7,000 रुपये से कम कीमत में आईफोन जैसे डिजाइन और मजबूती का शानदार मिश्रण है। इसका खास कैमरा डिजाइन इसे स्टाइलिश और आकर्षक बनाता है। आइटेल A90 लिमिटेड एडिशन का सबसे खास आकर्षण इसका देखने में आकर्षक कैमरा डेको है, जो इसे मैक्स स्वैग के साथ शानदार लुक देता है। यह फोन आइटेल के 3P वादे के साथ आता है, जो धूल, पानी और गिरने से बचाव देता है। इसमें IP54 रेटिंग है, जो इसे बारिश, धूल और छोटे-मोटे रिसाव से सुरक्षित रखती है। यह इस सेगमेंट का पहला स्मार्टफोन है, जिसमें MIL-STD-810H सर्टिफिकेशन के साथ मिलिट्री ग्रेड ड्यूरेबिलिटी है। यह खूबी इसे इस सेगमेंट में उपलब्ध एकमात्र ऐसा स्मार्टफोन बनाती है जिसे अपनी मजबूती के लिए जाना जाता है। इस स्मार्टफोन में आइटेल का सुपर इंटेलिजेंट एआई असिस्टेंट ऐवाना दिया गया है, जो आपके दिन को आसान और जीवन को और सुविधाजनक बनाने में मदद करेगा - यह सुविधा 7,000 रुपये से कम के सेगमेंट में शायद ही देखने को मिलती है। यह दो डायनैमिक रैम वेरिएंट्स में उपलब्ध है - 3GB रैम और 4GB रैम - जो क्रमशः केवल 6,399 रुपये और 6,899 रुपये की आकर्षक कीमत पर उपलब्ध हैं और पूरे भारत में रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध है। यह 100 दिनों के भीतर मुफ्त स्क्रीन रिप्लेसमेंट की पेशकश भी करता है - जो भारत में केवल आइटेल द्वारा प्रदान की जाने वाली बेजोड़ विश्वसनीयता सुनिश्चित करता है।

आइटेल इंडिया के सीईओ श्री अरिजीत तालापात्रा ने कहा, ड्यूरैबिलिटी का मतलब सिर्फ मजबूती नहीं, बल्कि हर पल भरोसेमंद होना है। हमारा नया A90 लिमिटेड एडिशन स्मार्टफोन इस सोच को दशार्ता है कि फोन को रोजमर्रा की चुनौतियों को झेलने के लिए मजबूत होना चाहिए और यह तकनीक को हर किसी तक पहुँचाने का प्रतीक है।

भिवंडी में भाजपा विधायक रमेशचंद्र मिश्रा का भव्य स्वागत

मोदी और योगी ने उत्तर प्रदेश को बनाया सर्वोत्तम प्रदेश विधायक रमेश मिश्रा

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के बदलापुर विधानसभा से भाजपा विधायक रमेशचंद्र मिश्रा के भिवंडी आगमन पर जोरदार स्वागत किया गया। बतादें कि खोखा कंपाउंड स्थित कृष्णा कॉम्पलेक्स प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में उत्तर भारतीय समाज ने उन्हें शाल व पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मानित किया। स्वागत की पहल उद्योगपति अजयकुमार सीताराम यादव द्वारा की गयी। मंच पर भाजपा नेता विजय किशोर तिवारी, पी.डी.यादव, एड ओम प्रकाश मौर्या और रऊफ अंसारी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए विधायक रमेश मिश्रा ने कहा कि वे हर वर्ष गणेश उत्सव के समय मुंबई आते हैं और यहां रह रहे अपने क्षेत्र के लोगों और शुभचिंतकों से भेंट कर उनका हाल-चाल लेते हैं। उन्होंने जौनपुर के पूर्व विधायक लक्ष्मी शंकर को याद करते हुए कहा कि उनके कार्य आज भी गांव-गांव, गली-मोहल्ले में लोगों को प्रेरित करते हैं। मिश्रा ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने विकास की नई ऊँचाइयाँ छुई हैं। ह्लआज यूपी कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, व्यापार, सड़क और बिजली हर क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है। रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं और महिलाएं व युवा आत्मनिर्भर बन रहे हैं। मिश्रा ने श्रीराम मंदिर निर्माण और काशी तीर्थ के विकास को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इन कार्यों पर देश ही नहीं विदेशों में भी गर्व किया जा रहा है। कार्यक्रम में ब्रिजेश पांडेय, अभिनव शर्मा, मनोज गुप्ता सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता विवेकानंद पांडेय ने किया।

गणेश विसर्जन करीब होने के बाद भी रात्रिकालीन स्कूल के शिक्षक अभी भी वेतन से वंचित हैं

मुंबई। राज्य सरकार के स्पष्ट आदेश के बावजूद, रात्रिकालीन स्कूलों और कनिष्ठ महाविद्यालयों के शिक्षकों और गैर-शिक्षक कर्मचारियों को सितंबर में मिलने वाला अगस्त का वेतन अभी तक नहीं दिया गया है। इस कारण शिक्षकों की आर्थिक स्थिति खस्ता हो गई है। वहीं अनेक शिक्षक संगठनों ने चेतावनी दी है कि अगर 9 सितंबर तक शिक्षकों को वेतन नहीं दिया गया तो शिक्षा उपसंचालक कार्यालय पर धरना दिया जाएगा। वहीं मुंबई कांग्रेस रोजगार स्वयं रोजगार विभाग के महासचिव डॉ सत्तार खान ने बताया कि सरकार ने गणेश चतुर्थी से पहले सभी सरकारी कर्मचारियों, शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को वेतन देने का निर्देश दिया था लेकिन रात्रिकालीन स्कूलों और जूनियर कॉलेजों के अगस्त महीने के वेतन में देरी हो रही है। खान के अनुसार शिक्षक समाज का निमार्ता होता है। इसके अलावा भावी पीढ़ी के निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उसके बाद भी रात्रिकालीन शिक्षकों को शिक्षक दिवस और गणेशोत्सव पर्व के पहले वेतन का भुगतान न किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। बताया जाता है कि शिक्षकों और कर्मचारियों में तीव्र नाराजगी है। डॉक्टर सत्तार खान और राज्य के शिक्षा मंत्री और शिक्षा सचिव से रात्रिकालीन शिक्षकों को जल्द से जल्द वेतन देने की मांग की है।

लालबाग का राजा के दरबार में पहुंचे अरविंद उपाध्याय

मुंबई (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय परशुराम सेना के राष्ट्रीय संरक्षक तथा प्रख्यात समाजसेवी अरविंद उपाध्याय ने कल विश्व प्रसिद्ध लालबाग के गणपति का दर्शन किया। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी समाजसेवी संतोषी उपाध्याय भी उपस्थिति रहीं। श्री उपाध्याय ने गणपति बप्पा से देश की सुख समृद्धि और शांति की प्रार्थना की। मंडल के पदाधिकारियों ने उपाध्याय का स्वागत और सम्मान किया। लालबाग का राजा, या लालबागचा राजा, मुंबई का एक अत्यंत प्रसिद्ध और लोकप्रिय सार्वजनिक गणेश मंडल है, जिसकी स्थापना 1934 में की गई थी. यह मंडल गणेश चतुर्थी के दौरान भक्तों को आकर्षित करता है और इसे ?इच्छाओं को पूरा करने वाला गणपति? यानी नवसाचा गणपति के रूप में जाना जाता है. यहां हर साल लाखों भक्त दर्शन के लिए आते हैं, और गणपति बप्पा की मूर्ति का विसर्जन गिरगांव चौपाटी पर किया जाता है.

त्रिमूर्ति साई सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से सामाजिक, सांस्कृतिक व खेल प्रतियोगिता आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले के बोईसर शहर अंतर्गत भैयापाड़ा में ॐ साई मित्र मंडल द्वारा 6वें वर्ष मनाये जा रहे गणेशोत्सव के मौके पर बुधवार 3 सितंबर 2025 को पंडाल परिसर में त्रिमूर्ति साई सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष जिलेदार वर्मा के मार्गदर्शन में भव्य सामाजिक, सांस्कृतिक व बच्चों के लिए खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ट्रस्ट पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने भाग लेकर आयोजन की शोभा बढ़ाई।

बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित प्रतियोगिताओं में संगीत कुर्सी, रनिंग रेस, वॉक प्रतियोगिता, डांस और सिंगिंग शामिल रही। विजेताओं को टिफिन बॉक्स, पेंसिल, पुस्तकें और नगद राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस आयोजन में ॐ साई मित्र मंडल तथा पाण्डेय ट्यूटोरियल के संचालक सत्यवान पाण्डेय का विशेष सहयोग उल्लेखनीय रहा।कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी श्रद्धालुओं एवं प्रतिभागियों को महाप्रसाद का वितरण किया गया।

इस अवसर पर अरुण यादव, अजय पाण्डेय, प्रमोद विश्वकर्मा, कृष्णा यादव, सुखलाल प्रजापति, सुभाष दुबे, राजू जाधव, संजय बारी, जुली बारी, हरिंदर यादव, राजलाल यादव, राम अवध यादव, वरिष्ठ पत्रकार जगदीश करोतिया, ओमप्रकाश द्विवेदी, दीपक निराला, मृत्युंजय पाण्डेय व अजीत सिंह सहित अनेक प्रतिष्ठित हस्तियाँ उपस्थित रहीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में आशु चौबे, मंगेश वर्मा, महेश वर्मा, धीरज गुप्ता, रजनीश यादव, मनीष यादव, बादल चौहान, आशीष वर्मा, दुर्गेश यादव, राहुल यादव, सूरज भारद्वाज, धीरेंद्र भारद्वाज, शिवम गुप्ता, नीरज दास, संदीप दास, किशन गुप्ता, अमन यादव, रोहित यादव और सोनू चौहान जैसे युवाओं ने सक्रिय एवं सराहनीय भूमिका निभाई।

आरक्षण के मुद्दे को लेकर ओबीसी समाज ने पालकमंत्री व जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

पालघर(उत्तरशक्ति)। शासन की ओर से मराठा समाज के लिए निकाले गए जीआर (सरकारी आदेश) के संदर्भ में ओबीसी समाज पर किसी भी प्रकार का अन्याय न हो और ओबीसी समाज के आरक्षण पर कहीं से आंच न आए, इस मांग को लेकर ओबीसी हक्क संघर्ष समिति की ओर से पालघर जिले में आंदोलन तेज किया गया है।

इसी विषय को लेकर समिति के पदाधिकारियों ने पालघर जिले के पालकमंत्री गणेश नाईक, जिलाधिकारी डॉ. इंदूराणी जाखड़ तथा विधायक राजेंद्र गावित से मुलाकात कर ओबीसी समाज की भावनाओं से अवगत कराया। इस अवसर पर ओबीसी समाज की ओर से शासन के नाम ज्ञापन भी सौंपा गया। ज्ञापन देने के दौरान ओबीसी हक्क संघर्ष समिति के अध्यक्ष राजीव पाटील, निमंत्रक कुंदन संखे, उपाध्यक्ष भालचंद्र ठाकरे, निवृत्त सनदी अधिकारी आर.डी. संखे, पी.टी. पाटील, अरविंद वर्तक, जितेंद्र राऊल, अजय ठाकुर सहित बड़ी संख्या में समिति के पदाधिकारी और ओबीसी समाज के लोग उपस्थित थे।

शिवतेज मित्र मंडल की ओर से गणेशोत्सव का भव्य आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर अंतर्गत धर्मनगरी आजाद नगर स्थित काशी विश्वनाथ एवं शीतला माता मंदिर के प्रांगण में विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी शिव तेज मित्र मंडल और केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष तुलसीराम केवट के नेतृत्व में भव्य गणेशोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। बुधवार, 27 अगस्त 2025 को पूरे विधि-विधान व भक्तिभाव के साथ विघ्नहर्ता श्री गणेश जी की स्थापना की गई। ढोल-ताशों की गूंज, भजन-कीर्तन व भक्तिमय माहौल के बीच गणपति बप्पा का स्वागत किया गया। यह उत्सव 11 दिनों तक बड़े ही धूमधाम से मनाया जायेगा, जिसमें धार्मिक अनुष्ठान, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सामाजिक संदेशों से जुड़े आयोजन किए जाएंगे। पहले ही दिन से पंडाल में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इस अवसर पर बोईसर विधानसभा क्षेत्र के विधायक विलास तरे, शिवसेना नेता वसंत चव्हाण, मुकेश पाटील, विक्रांत साहनी और तूफान जेना सहित अनेक गणमान्य अतिथि पंडाल में पहुंचकर बप्पा का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इसके अलावा धर्मेंद्र शाह, सुनील लांडे, राजीव रंजन सिंह, शिव लाल गुप्ता, शिवाजी कदम, आनंद परडवाल, बृज लाल सरोज, राकेश राय, पप्पू सिंह, आनंद महतो, संजय मास्टर, राजू यादव, राजू पाठक, संजय बावरे, बाबू सिंह, अनिल पटेल, गौरी भाई, बजरंग राय, विनय पांडेय, सुमित सिंह, राजेश सिंह, कुंदन ओझा, मुन्ना ओझा, मुन्ना ठाकुर, दूधनाथ शाह, बाबू सिंह, राम सिंह, वीरेंद्र सरोज, राजेश बिंद, कृष्णा साहनी, संतोष साहनी, जेपी चौहान, गणेश सिंह चौहान, केशव यादव, मूरत सिंह, सुनील शर्मा, हरिराम विश्वकर्मा, रामफेर वर्मा,रामचंद्र चौरसिया, सौरभ अप्पा, तुषार वरमल समेत कई सामाजिक कार्यकताओं और नागरिकों ने भी पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आयोजन समिति की ओर से बताया गया कि उत्सव के दौरान प्रतिदिन सुबह-शाम आरती, भजन संध्या और विशेष अनुष्ठान होंगे। अंतिम दिन गणपति बप्पा की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें हजारों भक्त शामिल होकर बप्पा को भावभीनी विदाई देंगे।

अँधेरी में खुला पीपीएफएएस म्युचुअल फंड का कार्यालय

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पीपीएफएएस म्युचुअल फंड के नये कार्यालय का उदघाटन ध्वनि ठक्कर के हाथों कंपनी के सीईओ नील पराग पारिख की उपस्थिति में गुरुवार को एक्सप्रेस हाइवे , 349 बिजनेस पॉइंट अंधेरी पूर्व में संपन्न हुआ। कंपनी के संचालक नील पराग पारिख ने कहा कि इसकी स्थापना 1992 में एक बुटिक निवेश सलाहकार फर्म के रूप में की गई थी। जो आज निवेशकों, भागीदारों की मेहनत, ईमानदारी व अटल इरादों के साथ एक बड़ी कंपनी बन गई है। जिसमें सभी का सराहनीय सहयोग शामिल। पारिख ने आगे कहा कि अँधेरी की इस शाखा को इन्वेस्टर सर्विस सेंटर और पीपीएफएएस म्युचुअल फंड की योजनाओं के लेनदेन के लिए आधिकारिक स्वीकृति बिंदु के रूप में जाना जायेगा। सैकड़ों लोगों को संबोधित करते हुए चैयरमैन पारिख ने कहा कि विस्तार के साथ हम लोगों तक पहुंच को और बेहतर व आसान बनाने के लिए अग्रसर है। हमारा लक्ष्य निवेशक समुदायों के करीब तक अपनी सेवाओं को लाना है। हमारी कंपनी की तरफ से तरह तरह की स्कीमें भी चलाई जा रही है जिसके कारण निवेशकों को अच्छे फायदे के अवसर प्राप्त होंगे।फंड हाउस की वर्तमान उत्पाद की श्रृंखला में पराग पारिख फ्लैक्सी कैप फंड,स्माल कैप स्टॉक्स समेत अन्य कई उत्पाद शामिल है। इस मौके पर फंड मैनेजर रौनक ओंकार, महेश सरोदे समेत कई अन्य गड़मान्य मौजूद थे।

पीएसए ने पीएसए मुंबई के फेज 2 का उद्घाटन किया

मुंबई। पीएसए मुंबई के फेज 2 विस्तार के उद्घाटन के साथ, यह भारत का सबसे बड़ा कंटेनर टर्मिनल बनने के लिए तैयार है, जिसकी वार्षिक हैंडलिंग क्षमता दोगुनी होकर 4.8 मिलियन टीईयू हो गई है। 2,000 मीटर की सतत क्वे लंबाई के साथ एक साथ कई मेगा कंटेनर जहाजों को संभालने के लिए डिजाइन किया गया यह टर्मिनल, भारत के घरेलू और वैश्विक बाजारों के लिए बढ़ते व्यापार को सहयोग देने हेतु बनाया गया है। यह विकास पीएसए द्वारा सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के तहत किए गए 1.7 बिलियन एसजीडी (1.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर) निवेश का परिणाम है, जो भारत में सिंगापुर से अब तक का सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश है।

भारत में अपनी पहली निवेश पहल 1998 में करने के बाद से, पीएसए ने लगातार देशभर में अपनी उपस्थिति का विस्तार किया है और भारत की समुद्री प्रगति में एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभरा है। आज, पीएसए इंडिया नवी मुंबई और चेन्नई में कंटेनर टर्मिनलों का संचालन करता है, साथ ही मुंबई और मुंद्रा में कंटेनर फ्रेट स्टेशन भी चलाता है, जो इसकी सहायक कंपनी पीएसए अमेया के अंतर्गत आते हैं। कंपनी अपनी संबद्ध सप्लाई चेन इकाई पीएसए बीडीपी के साथ मिलकर विभिन्न उद्योग क्षेत्रों में कई बहुराष्ट्रीय ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करती है।

4 सितम्बर 2025 को आयोजित उद्घाटन समारोह की शुरूआत भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और सिंगापुर के प्रधानमंत्री श्री लॉरेंस वोंग के वर्चुअल संबोधन से हुई, जो श्री वोंग की नई दिल्ली की आधिकारिक यात्रा के दौरान दिया गया। संबोधन के बाद, पीएसए मुंबई के नए बर्थ पर कंटेनर संचालन की आधिकारिक शुरूआत को चिह्नित करने के लिए वर्चुअल रूप से एक स्मारक शिलान्यास पत्थर का अनावरण किया गया।

पीएसए इंटरनेशनल के ग्रुप सीईओ श्री ओंग किम पोंग ने कहा, पीएसए मुंबई का फेज 2 विस्तार क्षमता, कनेक्टिविटी और स्थिरता को एक साथ लाता है भारत के लिए एक ऐसा टर्मिनल जो देश की व्यापारिक महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने का उत्प्रेरक बनेगा। 4.8 मिलियन टीईयू की बढ़ी हुई क्षमता भारत और उससे बाहर की सप्लाई चेन की मजबूती को सुदृढ़ करेगी और पीएसए के वैश्विक पोर्ट नेटवर्क को और मजबूत करेगी। यह मील का पत्थर सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के बीच सार्थक सहयोग की परिवर्तनकारी शक्ति को दशार्ता है, जो वैश्विक व्यापार प्रवाह को बढ़ाने और समुदायों को सशक्त करने में मदद करती है। पीएसए मुंबई के लिए जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (जेएनपीए) के साथ हमारी साझेदारी इस प्रतिबद्धता का उदाहरण है। इस साझा उद्देश्य से प्रेरित होकर, भारत की परिवर्तनकारी प्रगति की यात्रा में साझेदारी करने पर पीएसए को गर्व है। उद्घाटन समारोह के दौरान एक वीडियो प्रस्तुत किया गया, जिसमें पीएसए मुंबई की सक्रिय रेल कनेक्टिविटी दिखाई गई। इसमें छह समर्पित फ्रेट कॉरिडोर अनुकूल ट्रैक शामिल हैं, जो महाराष्ट्र के जवाहरलाल नेहरू पोर्ट (जेएनपी) से भारतभर के 63 से अधिक इनलैंड कंटेनर डिपो (क्छऊ) को जोड़ते हैं।

जब पश्चिमी डीएफसी पूरी तरह से जेएनपी से जुड़ जाएगा, तब पीएसए मुंबई की डीएफसी-रेडी संरचना आयातकों और निर्यातकों को मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स दक्षता में वृद्धि का अनुभव कराएगी।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

घर वापस लौट रहे बैंक मित्र से 2.90 लाख की लूट

रास्ते में पहले से मौजूद बदमाशों ने घात लगाकर किया हमला, मारपीट कर किया घायल

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के गद्दोपुर गांव निवासी बैंक मित्र से बदमाशों ने बुधवार की रात लगभग 8:30 बजे उस वक्त मारपीट कर ढाई लाख रुपए लूट लिए जब वह मुफ्तीगंज बाजार से अपनी दुकान बंद कर घर वापस आ रहे थे। घटना के पश्चात पहुंची पुलिस ने घायल बैंक मित्र को उपचार हेतु जौनपुर निजी चिकित्सालय में भर्ती करवाया तथा देर तक बदमाशों की घेरे बंदी में लगी रही परंतु समाचार संप्रेषण तक लुटेरों का कोई सुराग नहीं लग पाया। गद्दोपुर गांव निवासी सूर्यमणि राय मुफ्तीगंज बाजार में बैंक मित्र का कार्य करते है। 5 सितंबर को ईद उल मिलान्नबी का त्यौहार होने के कारण बैंक बंद रहेगा जिसकी वजह से उन्होंने बैंक से आज ही तीन लाख रुपए निकाले थे। लेनदेन का कार्य करने के पश्चात लगभग 8 बजे वह अपनी बाइक से घर के लिए आ रहे थे रसूलपुर ओझनिया गांव के पास स्थित रेलवे अंडरपास में पहले से मौजूद तीन बदमाशों ने खेत घेरने के लिए लगाई बांस बल्ली में से बांस उखाड़ कर सूर्यमणि यादव के ऊपर प्रहार कर दिया, जिससे असंतुलित होकर सूर्यमणि सड़क पर गिर पड़े तत्पश्चात बदमाशों ने डंडे से मारपीट कर सूर्यमणि को घायल कर दिया तथा रुपयों से भरा बैग छीनकर इटैली की तरफ फरार हो गए। सूर्यमणि राय के स्वजनों के अनुसार अनुसार बैग में दो लाख नब्बे हजार रुपए थे। सूचना पर पहुंची गौराबादशाहपुर पुलिस ने घायल बैंक मित्र को उपचार हेतु जौनपुर भिजवाया तथा लुटेरों की घेरेबंदी के लिए देर रात तक लगी रही। थानाध्यक्ष यजुवेंद्र सिंह से घटना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि फिलहाल अभी कितने रूपों की लूट हुई है यह स्पष्ट नहीं है भुक्तभोगी बदहवास अवस्था में कई अमाउंट बता रहा है। लुटेरों की घेरे बंदी की गई है बदमाशों को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के रसूलपुर ओझनिया गांव के पास हुई घटना

राजनीतिक साजिश के तहत फंसाए गए उमर खालिद व अन्य को जमानत न देने का फैसला राजनीतिक

डॉ.आबिद खान

लखनऊ(उत्तरशक्ति)। रिहाई मंच ने छात्र नेता उमर खालिद, शरजील इमाम, गुल्फिसां फातिमा, मीरान हैदर और अन्य की जमानत याचिका खारिज होने पर कहा कि उन्हें राजनीतिक साजिश के तहत फंसाया गया और अब जमानत न देकर जेल में सड़ने को मजबूर कर दिया गया है।

रिहाई मंच अध्यक्ष मोहम्मद शोएब ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि यूएपीए जैसे मामलों में भी बेल नियम है, जेल अपवाद है के सिद्धांत से समझौता नहीं किया जा सकता। वहीं दिल्ली हाई कोर्ट द्वारा यह कहना कि केवल लंबी कैद व मुकदमे में देरी के आधार पर जमानत देना सभी मामलों में सार्वभौमिक रूप से लागू होने वाला नियम नहीं है। न्यायालय द्वारा यह कहना कि जमानत देने या न देने का विवेकाधिकार संवैधानिक न्यायालय के पास है जो प्रत्येक मामले में विशिष्ट तथ्यों और परिस्थितियों पर निर्भर करता है, इस पर सवाल करते हुए मोहम्मद शोएब कहते हैं कि यह विशिष्ट तथ्य एवं परिस्थितियां एक ही तरह के मामले में अलग-अलग नहीं हो सकती है। भाजपा नेता अनुराग ठाकुर के धमकी और उकसाने वाले बयान पर अदालत ने कहा था कि मुस्कुराते हुए बोला था इसलिए अपराध की श्रेणी में नहीं आता। शायद यह फैसला इसलिए दिया गया की आरोपी भाजपा के मंत्री थे।

रिहाई मंच महासचिव राजीव यादव ने कहा कि उमर खालिद, शरजील इमाम, गुल्फिसां फातिमा, अथर खान, खालिद सैफी, मोहम्मद सलीम खान, शिफा उर रहमान, मीरान हैदर और शादाब अहमद जिनकी जमानत याचिका खारिज की गई वे सभी देश के संवैधानिक ढांचे को मजबूत करने के लिए संघर्ष करने वाले युवा थे। दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले ने एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी याद दिला दी कि किसी भी निर्दोष व्यक्ति को सिर्फ इसलिए कष्ट नहीं उठाना चाहिए क्योंकि उसका नाम खान है। आज बहस है कि मुस्लिम अभियुक्त होने की वजह से इस तरह का फैसला आया है। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि मुकदमे को स्वभाविक रूप से आगे बढ़ाने की आवश्यकता है क्योंकि जल्दबाजी में की गई सुनवाई अभियुक्तों और राज्य दोनों के लिए हानिकारक होगी। यहाँ सवाल उठता है कि पांच साल क्या कोई कम समय होता है इसलिए जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। जबकि इसमें से कई अभियुक्त देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के छात्र रहे हैं और देश के निर्माण के लिए उन्होंने गंभीर अध्ययन के साथ आंदोलन का रास्ता भी चुना। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इनपर व्हाट्सअप ग्रुप में शामिल होने और उकसाने जैसे आरोप हैं। किसी को, किसी व्हाट्सअप ग्रुप में जोड़ देने से जुड़ने वाला कैसे आरोपी हो सकता है। जहां तक उकसावे वाली बात है नागरिकता आंदोलन के दौरान दिल्ली में कई बार आंदोलन कर रहे लोगों पर गोली चलाई गई। भाजपा के नेताओं ने खुलकर धमकी तक दी जिनपर न कोई कार्रवाई की गई और न ही उनके उकसावे पर दिल्ली में भड़के तनाव की साजिश का उन्हें हिस्सा बनाया गया। आजादी के आंदोलन में इंकलाब जिंदाबाद का नारा क्या आजाद भारत में लगाना गुनाह हो जाएगा। जेल में देर तक रहने वाले मामले का जिस तरह से सामान्यीकरण किया जा रहा है उससे यह प्रवृत्ती बढ़ेगी कि किसी के ऊपर भी आरोप लगा दीजिए और बिना सुनवाई वह जेल में बिना कसूर तय हुए सड़ता रहेगा।

जौनपुर का जश्ने ईद मीलादुन्नबी का मनाया जाएगा शताब्दी वर्ष

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। इस्लाम धर्म के आखिरी पैगंबर हजरत मोहम्मद मुस्तफा के जन्मोत्सव को इस साल जौनपुर में बड़े ही धूमधाम से मनाने की परंपरा में चार चांद लगने वाला है। क्योंकि इस साल का मेला अपने 100वे वर्ष को पूरा कर रहा है ऐसा बताया मरकजी सीरत कमेटी के महासचिव अकरम मंसूरी ने

उन्होंने बताया कि इस वर्ष का मेला अपना सौ साल में नायाब है क्योंकि हमारे पूर्वजों द्वारा स्थापित इस मेले को पूरा 100 साल हो गया है इसकी स्थापना 1925 में की गई थी तब से लेकर के अभी तक शहर के मुसलमान ही नहीं पूरे जिले के मुसलमान इसको हजरत मोहम्मद मुस्तफा के जन्मोत्सव के रूप में मनाते चले आ रहे हैं।

उन्होंने आगे बताया कि इस बार किसी कारणवश मरकजी सीरत कमेटी का चुनाव नहीं हो पाया 2024 से लगातार वह महासचिव कमेटी के बने हुए हैं और उनकी निगरानी और नेतृत्व में ही यह पूरा जलसा और जुलूस का आयोजन हो रहा है। जिसको पूर्व के तीन अध्यक्ष संयुक्त रूप से लीड करेंगे जिनमें मजहर आसिफ ,डा हसीन बबलू, और अब्दुल अहद मुन्ने प्रमुख हैं इसके अलावा समस्त पूर्व के अध्यक्षों की सहमति से एक कमेटी का गठन किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि यह कमेटी सिर्फ इस्लामी दिन 12 रबी उल अव्वल जिस दिन इस मेले का आयोजन किया जाएगा उसी दिन के लिए बनाई गई है। उसके बाद मरकजी सीरत कमेटी के महासचिव अकरम मंसूरी के निगरानी में ही आगे के प्रोग्राम क्रमश जारी रहेंगे।

उन्होंने बताया कि कमेटी का अगला चुनाव भी उनके ही संरक्षण में होगा जिसमें पूर्व के समस्त अध्यक्षों के समक्ष आवाम तथा तमाम अंजुम और अखाड़े वाले संयुक्त रूप से भाग लेंगे।

उन्होंने जनता से आग्रह किया है कि वह ज्यादा से ज्यादा संख्या में आकर के जुलूस में शामिल होने वाले अखाड़ों विभिन्न प्रकार की अंजुमनो का हौसला अफजाई करें और शहर को दुल्हन की तरह से सजाने वाली विभिन्न सजावट कमेटियों का भी हौसला बढ़ाए उन्होंने सभी संप्रदाय के लोगों से मिलजुल कर मोहसिन ए इंसानियत हजरत मोहम्मद मुस्तफा के जन्मोत्सव को एक साथ मनाने का आह्वान किया है।

मरकजी सीरत कमेटी के तीन पूर्व अध्यक्षों के संयुक्त नेतृत्व में होगा मेले का आयोजनः महासचिव अकरम मंसूरी

भारत विकास परिषद ने आयोजित किया राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। भारत विकास परिषद जौनपुर शाखा के द्वारा आयोजित राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता 2025 महाविद्यालय के प्रांगण में बड़े ही उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य

अतिथि के रूप में डॉक्टर आलोक यादव एमएस (ऑर्थो) और विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉक्टर अजीत कुमार बीडीएस, प्रांतीय पर्यवेक्षक बद्रीप्रसाद गुप्ता (गतिविधि संयोजक संपर्क) और लोकेश कुमार प्रांतीय उपाध्यक्ष उपस्थित रहे। प्रतिभागी सात स्कूल टीम में विजेता के रूप में प्रथम स्थान सेंट मैरी स्कूल पुरानी बाजार ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान नेहरू बालोद्यान और तृतीय स्थान बीआरपी इंटर कॉलेज ने प्राप्त किया। इस अवसर पर जिला समन्वयक डॉ पी के सन्तोषी, शाखा अध्यक्ष सतेन्द्र अग्रहरि, निवर्तमान अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, पूर्व अध्यक्ष प्रभुनाथ पाठक, डॉ.वी पी गुप्ता, कार्यक्रम संयोजक संतोष अग्रहरी फामेसी एवं संतोष साहू बच्चा, अतुल सिंह, डॉ.दिवाकर गुप्ता, सुजीत गुप्ता, सम्पर्क प्रमुख अजय गुप्ता, संस्कार प्रमुख शरद साहू, पर्यावरण प्रमुख आशुतोष पाठक ,राजू श्रीवास्तव, ध्रुव जायसवाल, कोषाध्यक्ष गणेश साहू, संतोष अग्रहरि, दीपक केसरी (छायाकार) ध्रुव जायसवाल, राम रतन सेठ, रविंद्र गुप्ता, ऋषि श्रीवास्तव, अंशु श्रीवास्तव, विजय सिंघानिया, अनूप गुप्ता, विकास गुप्ता आदि और महिलाओं में श्रीमती ममता साहू, श्रीमती बबीता जायसवाल, श्रीमती श्वेता अग्रहरि, श्रीमती पूनम श्रीवास्तव, श्रीमती सुजाता जायसवाल, श्रीमती ज्योति वर्मा, श्रीमती सीमा अग्रहरि आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन शिव कुमार जायसवाल पूर्व अध्यक्ष ने और आभार सुजीत गुप्ता ने किया।

उपायुक्त राज्य कर ने भेजी 4.42 करोड़ की नोटिस से सहमे मजदूर ने डीएम और एसपी के साथ ही मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

मुंगराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उपायुक्त राज्य कर एवं सहायक आयुक्त केन्द्रीय वस्तु एवं सेवा कर द्वारा ४.४२करोड़ की जीएसटी नोटिस मिलते हैं मजदूरी कर अपना जीवन यापन कर रहे गरीब रोहित कुमार सरोज पुत्र लक्ष्मी शंकर सरोज के पैरों तले जमीन खिसकने लगी। नोटिस मिलते ही सहमा गरीब रोहित सरोज जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक जौनपुर के साथ ही पुलिस महानिरीक्षक वाराणसी रेंज, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार को पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाई है। मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के धौरहरा मोहल्ला निवासी रोहित कुमार सरोज पुत्र लक्ष्मी शंकर सरोज ने जिलाधिकारी जौनपुर, पुलिस अधीक्षक जौनपुर, पुलिस महानिरीक्षक वाराणसी रेंज, पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजे गए प्रार्थना पत्र में बताया है कि वह एक गरीब व्यक्ति है तथा मजदूरी करके अपना जीवन यापन करता है। उसके पास कोई पूजी नहीं होने के कारण कोई धंधा रोजगार नहीं कर सकता। पीड़ित रोहित कुमार सरोज ने बताया है कि उपायुक्त राज्य कर जौनपुर एवं सहायक आयुक्त केन्द्रीय वस्तु एवं सेवा कर जौनपुर १ द्वारा दिनांक 30-8-2025 को भेजे गए चार्जशीट में बताया गया है कि फर्म आर के ट्रेडर्स नीभापुर मुंगरा बादशाहपुर बिल्डिंग नंबर 00 जिला जौनपुर उत्तर प्रदेश पिनकोड 222202, STIN 09NQEP59300E121 द्वारा वर्ष 2025-26 माह जून में कुल 24 करोड़ 55 लाख 80 हजार का टर्न ओवर घोषित किया है तथा रूपए 4 करोड़ 42 लाख 04 हजार 400 की आई जी एस टी चार्ज की है। जिसका उससे कोई सम्बन्ध नहीं है। पीड़ित रोहित कुमार ने कहा है कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा श्री आर के ट्रेडर्स नीभापुर मुंगरा बादशाहपुर मोबाइल फोन नंबर 9117976438 द्वारा मेरे आधार कार्ड व पैन कार्ड का दुर्पयोग कर एक फर्म श्री आर के ट्रेडर्स नीभापुर मुंगरा बादशाहपुर बिल्डिंग नंबर ०० जिला जौनपुर उत्तर प्रदेश पिनकोड 222202, STIN 09NQEP59300E121 खोलकर वित्तीय वर्ष 2025-26 के माह जून में कुल 24 करोड़ 55 लाख 80 हजार रुपए का टर्नओवर घोषित किया है तथा रूपए 4 करोड़ 42 लाख 04 हजार 400 की आईजीएसटी चार्ज की है। लोगों की मानें तो उसके आवास पर जीएसटी विभाग से आई टीम ने उसकी स्थिति की वीडियो क्लिप तैयार कर अपने साथ ले गई। पीड़ित ने अधिकारियों को भेजे गए पत्र में अज्ञात जालसाजों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही करने की गुहार लगाई है।

जालसाजों ने उसके आधार एवं पैनकार्ड का दुरुपयोग कर एक महीने में कर लिया 24.55 करोड़ का टर्नओवर

साढ़े 7 लाख नहीं पांच लाख रुपए ही मिलती है मृतक के परिजनों को दुर्घटना राशि

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। गत 25 अगस्त 2025 को मछलीशहर पड़ाव पर हुई भीषण विद्युत दुर्घटना में तीन जिंदगियों के बुझ जाने से पूरा जनपद शोकाकुल हो उठा था। यह हादसा इतना हृदयविदारक था कि आज भी क्षेत्र के लोग उस मंजर को याद कर सिहर उठते हैं।

विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता रमेश चंद्र ने बताया कि विभागीय नियमों के अनुसार इस प्रकार की घातक दुर्घटना में बाहरी व्यक्ति की मृत्यु पर पाँच लाख रुपये की सहायता राशि तथा विभागीय संविदा कर्मी की मृत्यु पर साढ़े सात लाख रुपये की सहायता अनुमन्य है। प्रारंभ में सहायता राशि को लेकर हुई मानवीय भूल पर जिलाधिकारी द्वारा स्पष्टीकरण माँगा गया, जिस पर अधीक्षण अभियंता ने अपनी त्रुटि स्वीकार करते हुए क्षमा याचना की है।जिला प्रशासन ने मृतक शिवा गौतम के परिवार को पाँच लाख रुपये की अनुमन्य सहायता राशि उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनके परिवार को मुख्यमंत्री आवास योजना, राशन कार्ड, विधवा पेंशन और बच्चों को बाल सेवा योजना से लाभान्वित करने की कार्यवाही शुरू कर दी है। वहीं मृतक समीर के परिजनों की पात्रता का निर्धारण कर उन्हें भी विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने हेतु जिलाधिकारी प्रयागराज को पत्र प्रेषित किया गया है। मृतका प्राची मिश्रा के परिजनों से आवश्यक दस्तावेज प्राप्त होते ही सहायता राशि सीधे खाते में स्थानांतरित कर दी जाएगी।

मछलीशहर पड़ाव हादसा

कार्यालय कैम्पस में रोजगार मेला का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। निदेशक, सेवायोजन उ०प्र०, लखनऊ एवं जिलाधिकारी के निर्देश के कम में जिला सेवायोजन कार्यालय कैम्पस जौनपुर में 08 सितम्बर 2025 को प्रातः 10:00 बजे रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें निजी क्षेत्र की विभिन्न कम्पनियों में रोजगार हेतु योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाना है, जिसकी शैक्षिक योग्यताः हाईस्कूल, इण्टर, आई०टी०आई० एवं स्नातक उत्तीर्ण आयुसीमा 18 से 35 वर्ष के अभ्यर्थियों को कैम्पस सलेक्शन करेंगी। अभ्यर्थी अपने योग्यतानुसार प्रतिभाग करते हुए, पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से रोजगार प्राप्त करें। जिला सेवायोजन अधिकारी जय प्रकाश पासवान ने बताया की रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक अभिलेखों की छायाप्रति आई०डी०प्रूफ बायोडाटा सहित प्रतिभाग करेंगे एवं सेवायोजन वेब पोर्टल- https://rojgaarsangam.up.gov.in के माध्यम से पंजीकरण कर अभ्यर्थियों को अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की है।

करौन्दे के अचार का किया गया वितरण

किताबी ज्ञान के साथ-साथ बच्चों को दे संस्कारयुक्त शिक्षा: जिलाधिकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा कम्पोजिट विद्यालय डीह जहानियां का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न कक्षाओं में जाकर बच्चों के शैक्षिक गुणवत्ता के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कक्षा 01 में जाकर छात्रों से हिन्दी की वर्णमाला का उच्चारण कराया, छात्रों के द्वारा वर्णमाला का उच्चारण अच्छे से किये जाने पर यश, आकांक्षा और रिदम को तथा कक्षा 8 की अंकिता यादव और रिया विश्वकर्मा को संस्कृत में श्लोक का सही अर्थ बताने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हे अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया और सभी बच्चों को टॉफी देकर प्रोत्साहित किया गया। विद्यालय में शिक्षा का स्तर बहुत अच्छा पाया गया जिस पर जिलाधिकारी ने सभी शिक्षकों की सराहना भी की।

जिलाधिकारी के द्वारा मिड-डे-मिल के अन्तर्गत दिये जाने वाले भोजन के सम्बन्ध में जानकारी ली गयी। इस दौरान उन्होंने करौन्दे के फायदे के बारे में बताते हुए कहा कि करौन्दा एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होने के कारण बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने और हृदय की कार्यक्षमता बढ़ाने में फायदेमंद है। करौंदा यूटीआई इंफेक्शन के खतरे को कम करता है, इम्युनिटी बढ़ाता है, पाचन को बेहतर करता है इसके साथ ही विटामिन सी से भरपूर होता हैं। उन्होंने अपने आवास पर बने करौंदे के अचार को बच्चों में वितरण करने के साथ ही अध्यापकों को निर्देश दिया कि करौन्दे और नींबू के अचार, कद्दू के सब्जी, करी पत्ता को मिड-डे-

मिल में सम्मिलित किया जाए। जिलाधिकारी ने विद्यालय में और अधिक सहजन के पौधे लगाये जाने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के द्वारा सभी विद्यालयों में बाल वाटिका के अन्तर्गत फलदार पौधों को लगाने के लिए निर्देश दिया गया है जिनके क्रम में जनपद के विद्यालयों में आम, कटहल, अमरूद आदि के पौधे लगाये जा रहे है, जिससे कि बच्चे इसका अधिक से अधिक उपयोग करें और स्वस्थ रहे।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी शिक्षक समय से विद्यालय में उपस्थित होकर बच्चों को शिक्षित करें, उन्हे किताबी ज्ञान के साथ साथ संस्कार युक्त शिक्षा दी जाए। इस अवसर पर प्रधानाध्यापिका अमरावती देवी, सहायक अध्यापिका सुषमा सिंह, वंदना सिंह, गायत्री मौर्य, संगीता मौर्य, मीना देवी, पूजा यादव, राजीव कुमार गौतम सहित अन्य अन्य उपस्थित रहे।

डिजिटल क्रॉप सर्वे की कार्यशाला आयोजित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। एग्रीस्टैक योजना अंतर्गत कराए जा रहे डिजिटल क्रॉप सर्वे (ई-खसरा पड़ताल) के संबंध में सर्वेयरों, सुपरवाइजरो एवं वेरिफायरो की बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का शुभारंभ जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने बताया कि ई-खसरा पड़ताल से फसलों की वास्तविक आंकड़े प्राप्त होंगे जिससे किसानों को योजनाओं से लाभान्वित कराने में सहूलियत होती है, उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रीति कन्नोजिया, निर्मला, सरिता देवी, पूजा सिंह, हरिवंश लाल अखिलेश कुमार मौर्या राम मिलन जायसवाल को अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने 25 सितंबर तक जनपद के प्रत्येक सर्वेयर को प्राप्त लक्ष्य 1100 प्लांट का सर्वे करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने सर्वेयरों को सम्मानित करते हुए कहा अन्य लोग इनसे प्रेरणा लेते हुए कार्य करें अच्छा कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाएगा और लापरवाही करने वालों को दण्डित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने सर्वेयरों को निष्ठा एवं ईमानदारी से समयान्तर्गत कार्य पूर्ण करने की शपथ भी दिलाई।

परियोजना निदेशक ने सर्वेयरों को प्रशिक्षित करते हुए बताया कि निर्धारित समय अंतर्गत सर्वे पूर्ण हो जाने चाहिए अन्यथा जिन सर्वेयरों द्वारा सर्वे का कार्य पूर्ण नहीं किया जाएगा उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। जनपद स्तरीय मास्टर ट्रेनर डॉ0 रमेश चंद्र यादव द्वारा डिजिटल क्रॉप सर्वे एप संचालन के लिए सर्वेयरों को लाइव वीडियो एवं सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन के आधार पर पीपीटी द्वारा प्रोजेक्टर के माध्यम सर्वेक्षण संपन्न करने का प्रशिक्षण दिया गया।

इस मौके पर खंड विकास अधिकारी, उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी सदर अमित कुमार, तहसील स्तरीय मास्टर ट्रेनर, समस्त सहायक विकास अधिकारी पंचायत, एपीओ ग्राम विकास एवं सैकड़ों सर्वेयर मौजूद रहे। अंत में उप कृषि निदेशक हिमांशु पांडेय द्वारा उपस्थित सभी का आभार व्यक्त किया गया।

पं0 दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी वर्ष पर प्रदेश स्तरीय सीनियर वर्ग महिला/पुरूष प्रतियोगिता का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्रीड़ा अधिकारी ने अवगत कराया है कि खेल निदेशालय उ0प्र0 लखनऊ के निदेर्शानुसार वर्ष 2025-26 में पं0 दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में प्रदेश स्तरीय सीनियर वर्ग महिला/पुरूष की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है जिसमें वाराणसी मण्डल की टीम प्रतिभाग करेगी।

खेल निदेशालय से प्राप्त निर्देश के क्रम में अपने मण्डल से सम्बन्धित जनपद के खिलाड़ी सीधे मण्डल स्तर पर आयोजित चयन परीक्षण में प्रतिभाग करेंगे। वाराणसी मण्डल के बैडमिण्टन महिला/पुरूष का चयन परीक्षण 08 सितम्बर 2025, जिम्नास्टिक महिला/पुरूष- 11 सितम्बर, कबड्डी पुरूष एवं टेबल-टेनिस पुरूष/महिला 12 सितम्बर, क्रिकेट पुरूष- 16 सितम्बर, वॉलीबाल महिला- 19 सितम्बर, एथलेटिक्स महिला/पुरूष एवं वॉलीबाल पुरूष- 20 सितम्बर, बॉक्सिंग पुरूष- 30 सितम्बर, कुश्ती पुरूष- 04 अक्टूबर, कबड्डी महिला- 08 अक्टूबर, जूडो महिला/पुरूष- 15 अक्टूबर, फुटबाल महिला- 16 अक्टूबर एवं फुटबाल पुरूष का 17 अक्टूबर, 2025 को डॉ0 सम्पूर्णानन्द स्पोर्ट्स स्टेडियम सिगरा, वाराणसी में प्रातः 9 बजे से आयोजित किया जायेगा। जनपद के इच्छुक प्रतिभागी सीधे मण्डलीय चयन परीक्षण में प्रतिभाग कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिला खेल कार्यालय, जौनपुर या क्षेत्रीय खेल कार्यालय, वाराणसी में सम्पर्क कर सकते हैं।

गांवों में रात उड़ते ड्रोन ने ग्रामीणों और पुलिस को किया परेशान

मीरगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना मीरगंज अंतर्गत कई गांवों में बुधवार की रात करीब 8 बजे एक ड्रोन उड़ने की सूचना से हड़कंप मच गया। जगदीशपुर, अदारी, चौकी कला और भटहर जैसे गांवों के पास ड्रोन देखे जाने की खबर मिलने पर ग्रामीण और मीरगंज पुलिस दोनों परेशान हो गए। इस घटना को लेकर बृहस्पतिवार को पूरे दिन चर्चाएं होती रहीं। कुछ लोग अनुमान लगा रहे थे कि यह गूगल का सर्वे हो सकता है, जबकि कई ग्रामीण इसे लेकर तरह-तरह की अफवाहें फैला रहे थे। मीरगंज के थानाध्यक्ष विनोद कुमार अंचल ने बताया कि सूचना मिलने पर वह भी पुलिस बल के साथ इलाके में घूमते रहे। हालांकि, उन्हें कुछ भी नहीं मिला। ड्रोन के उड़ने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है, लेकिन इस घटना ने लोगों के बीच कौतूहल और भय का माहौल पैदा कर दिया है।

ग्लैक्सी मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में श्री सत्यनारायण भगवान की पूजा संपन्न

भिवंडी। भिवंडी के काल्हेर स्थित ग्लैक्सी मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 3 सितंबर 2025 दिन बुधवार को श्री सत्यनारायण भगवान की पूजा का आयोजन किया गया। जिसमें लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं ब्लॉक प्रमुख प्र. प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल रिंकू ने श्री सत्यनारायण भगवान की पूजा में शामिल होकर दर्शन,आरती, आशीर्वाद और प्रसाद लिए।तत्पश्चात हॉस्पिटल के मालिक अश्विनी पांडेय ने प्रभाकर शुक्ल को शाल पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किए। इसी कड़ी में आए हुए सभी अतिथियों का अश्विनि पांडेय ने स्वागत सत्कार किया।इस अवसर पर उद्योगपति पंकज मिश्रा,डॉ अमर मिश्रा, आशीष तिवारी,राकेश मिश्रा,अतुल जी,विजय मिश्रा, उत्कर्ष सिंह,उत्कर्ष दुबे,ऋषभ मिश्रा, विशेष कार्यकारी अधिकारी महाराष्ट्र शासन आदेश मिश्र सहित क्षेत्र के कई अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सुंदरदास का मेला भरेगा आज

चिराना (उत्तरशक्ति)। कस्बे के पूर्वी ढ़हर, (किरोड़ी घाटी के पास) स्थित बाबा सुंदर दास जी महाराज का दो दिवसीय जागरण व मेले का आयोजन आज से शुरू होगो बाबा सुंदर दास सेवा समिति के तोलाराम सैनी ने बताया कि शुक्रवार को रात्रि में संतो के सानिध्य में विशाल भजन संध्या का आयोजन होगा जिसमें झाबर जी नागौरी एंड पार्टी रेनवाल द्वारा भजनों की रसगंगा बहाई जाएगी। तो वहीं शनिवार को दूसरे दिन भी बाबा का विशाल मेला भरेगा जिसमें सवा दस बजे से राकेश सैनी एंड पार्टी पनिहारवास द्वारा रंगारंग प्रस्तुतियां दी जाएगीं रविवार को सुबह 11 बजे से विशाल भंडारे का भी आयोजन होगा जिसमें काफी भक्तजन व श्रद्धालु भाग लेगे और पंगत प्रसाद पाएंगे।

स्नेहा ताई दुबे के निवास पर गणपति दर्शन करने पहुंचे डॉक्टर हेमंत सावरा और राजन नाईक

वसई। वसई की विधायक श्रीमती स्नेहा ताई दुबे पंडित के वसई स्थित निवास पर गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर विराजे विघ्नहर्ता श्री सिद्धिविनायक गणेश जी के दर्शन हेतु भाजपा के वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी उपस्थित हुए। इस मौके पर पालघर के सांसद डॉक्टर हेमंत सावरा और नालासोपारा के विधायक राजन नाईक ने मनोज बारोट, केतन गांधी, सुरेश प्रजापति, अभय कक्कड़ एवं अन्य भाजपा पदाधिकारियों के साथ गणपति बप्पा के चरणों में भावपूर्ण दर्शन किए। भक्ति और श्रद्धा से भरे इस अवसर पर उपस्थित सभी जनों ने गणपति बप्पा से वसई और समग्र महाराष्ट्र में सुख, समृद्धि, एकता और सद्भाव की कामना की।

गणपति बप्पा की दिव्य उपस्थिति से उपस्थित जनसमूह को सकारात्मक ऊर्जा और आस्था की नई प्रेरणा प्राप्त हुई। नवीन दुबे और मयंक दुबे की उपस्थिति में डॉक्टर सावरा और विधायक राजन नाईक ने गणेश विसर्जन भी विधिवत रूप से संपन्न किया और बप्पा से सभी पर आशीर्वाद बनाए रखने की प्रार्थना की। यह आयोजन श्रद्धा, आस्था और सामाजिक एकता का एक सुंदर उदाहरण प्रस्तुत करता है, जो समाज में उत्सवों के माध्यम से सौहार्द और सकारात्मकता फैलाता है।

भगवान बलभद्र समाज के एकता उन्नति व समृद्धि के प्रतीक हैं: बिनोद जायसवाल

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडल मुख्यालय के दिशु पैलेस मैरेज हॉल परिसर में गुरुवार को कलवार सेवा समिति के तत्वाधान में भक्तिमय व संगीतमय माहौल में श्री बलभद्र पूजन समारोह का आयोजन किया गया। उद्घाटन विधान पार्षद बिनोद जायसवाल, पूर्व विधायक हेम नारायण साह, नपं उपाध्यक्ष गुड़िया कुमारी, वार्ड पार्षद सुमन देवी, चंपा देवी, समिति के अध्यक्ष रामाशंकर प्रसाद, उपाध्यक्ष मनोज ब्याहुत, सचिव दिनेश प्रसाद, कोषाध्यक्ष लालबाबू प्रसाद, नपं पूर्व अध्यक्ष राजकुमारी देवी, निर्मला जायसवाल व सुप्रिया कुमारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। समारोह में सामाजिक, राजनैतिक, शैक्षणिक व चिकित्सा जगत के नामचीन हस्तियों ने पूजन में शामिल होकर अपने कुल देवता भगवान बलभद्र की पूरी श्रद्धा व निष्ठा से पूजा अर्चना किया। इस अवसर पर विधान पार्षद बिनोद जायसवाल ने कहा कि भगवान बलभद्र उन्नति और समृद्धि के प्रतीक हैं। उनके पूजन से मानव का कल्याण होता है। पूर्व विधायक हेम नारायण साह ने कहा कि भगवान बलभद्र का हल किसानों की समृद्धि का प्रतीक है।

कलवार सेवा समिति के अध्यक्ष रामाशंकर प्रसाद ने कहा कि यह पूजनोत्सव समाज की आस्था, एकता व समर्पण का परिचायक है। नगर पंचायत की उपाध्यक्ष गुड़िया कुमारी ने कहा कि भगवान बलभद्र हमारे कुल के रक्षक व देश के पालनहार हैं। उनकी कृपा दृष्टि से समाज का सर्वत्र विकास होता है। कार्यक्रम के अंतराल में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने आयोजन स्थल पर उपस्थित सभी लोगों को भाव विभोर कर दिया। संचालन ओमप्रकाश लोहा ने किया। मौके पर भाजपा पूर्वी जिलाध्यक्ष रंजीत प्रसाद, मोहन कुमार पदमाकर, नगर अध्यक्ष अमरजीत सिंह, महामाया प्रसाद, पवन कुमार, सुनील कुमार सेठी, सुमन कुमार सेनानी, दशरथ प्रसाद, विष्णु पदमाकर सहित भारी संख्या में महिला व पुरुष उपस्थित थे।

भेजफेड के अधिकारियों ने किया पीवीसीएस का निरीक्षण

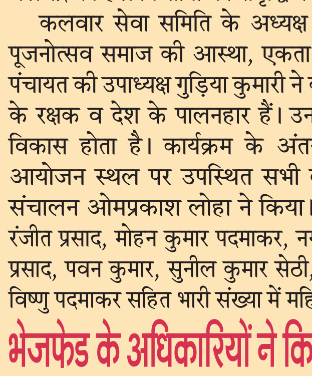

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज सब्जी प्रसंस्करण पटना से आए अधिकारी राकेश शर्मा व तिरहुत सब्जी प्रसंस्करण के सीओ दुर्गेश कुमार ने दरौंदा पीवीसीएस केंद्र का औचक निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिया। भेज फेड के अधिकारी ने कहा सब्जी उत्पादन और पौधा नर्सरी को प्रोत्साहित करने और किसानों को जागरूक करने का निर्देश पीवीसीएस अध्यक्ष व सचिव को दिया। उन्होंने पीवीसी में किसने की । मौके पर सीवान जिला के नोडल पदाधिकारी लोकेश कुमार, तिरहुत परिक्षेत्र के भेज फेड के सीओ दुर्गेश कुमार, आशुतोष कुमार विवेक कुमार महाराजगंज पीवीसी के अध्यक्ष वकील प्रसाद , दरौंदा पीवीसीएस अध्यक्ष राजकुमार प्रसाद, अप्पू आदि कुमार, प्रभात कुमार, आदि लोग मौजूद थे।

समाजसेवी डॉ. बाबूलाल सिंह का 65वां जन्मदिन समारोहपूर्वक संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ समाजसेवी एवं लोकप्रिय जनसेवक डॉ. बाबूलाल सिंह का 65वां जन्मदिवस केशव पाड़ा, मुलुंड (पश्चिम) में भव्य रूप से मनाया गया। यह आयोजन युवा ब्रिगेड असोसिएशन एवं महानगरी कॉ. क्रेडिट सोसाइटी लि. के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। समारोह में विविध राजनीतिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक क्षेत्रों से जुड़ी जानी-मानी हस्तियों ने भाग लिया और डॉ. बाबूलाल सिंह को शाल, श्रीफल, पुष्पगुच्छ एवं भेंट वस्तुएं प्रदान कर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित गणमान्य अतिथियों में शामिल होने वालों में मुंबई कांग्रेस के महासचिव एवं पूर्व नगरसेवक सुनील गंगवानी, अ. भा. यादव महासभा के मुंबई अध्यक्ष किलाचंद यादव, वरिष्ठ समाजसेवी बिरजू मुंदडा, के. एन. सिंह, रामलाल पाण्डेय, एल. एन. दीक्षित, बीरेंद्र पाठक, राजेंद्र श्रीवास्तव, प्रदीप गांगुर्डे, रमेश जायसवाल, रतिनाथ शुक्ला, कवि दिलबाग सिंह, डॉ. राममूर्ति वर्मा, कांग्रेस नेता किशोर मुंडाकेल, राजेश इंगले, उत्तम गीते, दयाशंकर सिंह, डॉ. आर. एम. पाल, मंगला शुक्ला, संतोष विश्वकर्मा, एड. शरीफ खान, मोहनलाल राज, भाजपा नेता मनीष तिवारी, विलास राजपूत, बाला उगवेकर, शिवसेना नेता दिनेश जाधव, अनिल शिंदे, अमित यादव, विनायक घाणेकर, राष्ट्रवादी कांग्रेस अध्यक्ष एड. अमित पाटील, शिवनारायण जायसवाल, समाजवादी पार्टी नेता रमाशंकर तिवारी, अब्दुल जे. खान, अनिरुद्ध दुबे, अनिल यादव सहित कई अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तित्व रहे। शिक्षा, पत्रकारिता एवं समाजसेवा से जुड़े लोगों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को गरिमामय बनाया, जिनमें प्रमुख नाम डॉ. अमरबाहादुर पटेल, डॉ. उषा यादव, डॉ. शशिकला पटेल, भूषण पाण्डेय, रेखा चौबे, राजकुमार यादव, अनिल सिंह, रंजीत गुप्ता, राकेश मिश्र, नीता जोशी, रइस खान, राजन उठवाल, करूणानिधि, शेखर परदेशी, रंजन गौड़ा, जीतू शर्मा, पीतांबर साहू, गया प्रसाद गुप्ता, आर. के. मौर्य, सुरेश मौर्य, विपुल गोगरी, तिलबहादुर सोनार, हरिराम वर्मा, वी. के. वर्मा, बंतेश पटेल और राम नरेश सिंह शामिल हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. सचिन सिंह, सुरेंद्र मिश्रा, योगेंद्र श्रीवास्तव, हीरालाल भनगे, दयाशंकर पाल, विजय यादव, रमेश सिंह, बृजेश सिंह, मनोज सिंह, दीनानाथ यादव, मोहित सिंह, मैथ्यु चेरियन, राजेंद्रन एवं संदेश सिंह की विशेष भूमिका रही। डॉ. बाबूलाल सिंह ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए समाजसेवा के अपने संकल्प को दोहराया और जीवन के इस पड़ाव को समाज को और अधिक देने के एक अवसर के रूप में स्वीकार किया।

3196 श्री गणेश और 131 गौरी प्रतिमाओं को कृत्रिम तलावो में विसर्जन

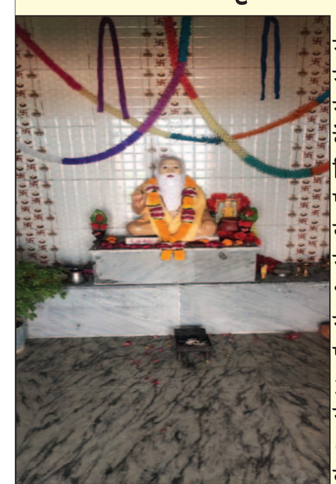

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर महानगरपालिका के माननीय आयुक्त एवं प्रशासक राधाबिनोद ए. शर्मा (बी.पी.एस.) के मार्गदर्शन एवं निर्देश के अनुसार विसर्जन के लिए शहर में 29 स्थानों पर 35 कृत्रिम झीलें बनाई गई हैं। कृत्रिम झील में कुल 3327 श्री गणेश एवं गौरी प्रतिमाओं को भावभीनी विदाई दी गई। इन विसर्जन स्थलों पर शाडू की 560 और प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) की 2724 प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) गौरी की 131 प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। सात दिवसीय विसर्जन में 305 सार्वजनिक श्री गणेश प्रतिमाएँ और 2891 घरेलू श्री गणेश प्रतिमाएँ विसर्जित की गईं। सात दिन के हुए विसर्जन में 43 सार्वजनिक श्री गणेश प्रतिमाएँ 6 फीट ऊँची थीं।

हर साल की तरह इस साल भी मीरा भायंदर शहर में श्री गणेश उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। मंगलवार को सात दिवसीय गणेश और गौरी देवी का विसर्जन बड़ी ही श्रद्धा और विश्वास के साथ किया गया। पर्यावरण के अनुकूल त्योहार मनाने के उद्देश्य से मीरा भायंदर महानगरपालिका द्वारा निर्मित कृत्रिम झील को शहर के नागरिकों द्वारा खूब सराहा गया है। मीरा भायंदर महानगरपालिका के आयुक्त के निदेर्शानुसार, सहायक आयुक्त और महानगरपालिका के अधिकारियों ने विसर्जन स्थल का निरीक्षण किया। सुरक्षा की दृष्टि से सभी विसर्जन स्थलों पर बांस के बैरिकेड्स लगाए गए थे। अग्निशमन विभाग, नगरपालिका स्वयंसेवक, चिकित्सा स्वास्थ्य और सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाएं भी काम कर रही थीं। कानून और व्यवस्था की दृष्टि से सभी विसर्जन स्थलों पर पुलिस व्यवस्था और सीसीटीवी प्रणाली बहुत सतर्कता से काम कर रही थी। भविष्य में भी श्री गणेश विसर्जन इसी प्रकार व्यवस्थित रूप से संपन्न हो, इसके लिए वार्ड समिति कार्यालय क्षेत्र में दिनांक 01 से 06 तक सभी व्यवस्थाएँ सुसज्जित रहेंगी। तथापि, शहर के सभी नागरिक गणेश विसर्जन समारोह के दौरान मीरा-भायंदर महानगरपालिका प्रशासन को पूर्ण सहयोग देते रहें तथा 6 फीट तक ऊँची सभी गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन कृत्रिम तालाबों में ही करें। आयुक्त एवं प्रशासक राधाबिनोद ए. शर्मा (भा.पु.से.) द्वारा यह अपील की जा रही है।

मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय अंतर्गत गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन को लेकर आदेश जारी

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में दिनांक 06/09/2025 को पारंपरिक तरीके से गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। मानें तो वहीं, कुछ लोग कृत्रिम झीलों, या प्राकृतिक झीलों, खाड़ियों, समुद्रों, जलाशयों से एकत्रित मूर्तियों जैसे जल स्त्रोतों में तैरती या अर्ध-तैरती गणेश प्रतिमा व प्रतिमाओं की तस्वीरें लेते हैं, कृत्रिम झीलों की सफाई कर, उन्हें एकत्रित करके, परिवहन कर उनका प्रबंधन करते हैं और सोशल मीडिया पर ऐसी तस्वीरें या वीडियो प्रकाशित या प्रसारित करते हैं जिसे धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं और सार्वजनिक शांति भंग होती है। चूंकि, उपर्युक्त परिस्थितियों में, मेरी राय है कि विसर्जन के बाद ऐसी तस्वीरों को लेने, प्रकाशित करने और प्रसारित करने पर रोक लगाने के लिए तत्काल कदम उठाए जाने की आवश्यकता है अशोक बिरकर, उन्होंने ने आगे कहा कि चूंकि भारतीय नागरिक संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत शीघ्र प्रतिबंध लगाने के लिए शीघ्र उपाय करना वांछनीय है, इसलिए मेरे पास इसे तुरंत प्रतिबंधित करने के लिए पर्याप्त कारण हैं।

अशोक विरकर, पुलिस उपायुक्त, (मुख्यालय) मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय और कार्यकारी मजिस्ट्रेट, भारतीय नागरिक संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत मुझे प्रदत्त विशेष शक्तियों के तहत, आदेश देता हूं कि कोई भी व्यक्ति कृत्रिम झीलों, प्राकृतिक झीलों, खाड़ियों, या समुद्रों आदि में विसर्जन के बाद, एकत्रित और निकाले गए गणेश मूर्तियों/प्रतिमाओं की तस्वीरें नहीं लेगा, कृत्रिम झीलों की सफाई करते समय, उन्हें एकत्रित कर परिवहन करते, प्रबंधित करते समय सोशल मीडिया पर कोई भी तस्वीर या वीडियो प्रकाशित या प्रसारित नहीं करेगा जो धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा सकता है और सार्वजनिक शांति भंग कर सकता है। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति को भारतीय दंड संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत दंड दिया जाएगा।

वर्षा निवास में गूंजा गणपति बप्पा मोरया, मुख्यमंत्री फडणवीस व वसई विधायक स्नेहा दूबे ने किया दर्शन

मुंबई। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने आधिकारिक निवास वर्षा, मालाबार हिल में गणपति बप्पा की स्थापना कर विधिवत पूजन-अर्चन किया। प्रदेश के सुख, समृद्धि और प्रगति की मंगलकामना के साथ उन्होंने गणेश जी के चरणों में नतमस्तक होते हुए भावपूर्ण दर्शन किए। इस शुभ अवसर पर वसई की लोकप्रिय विधायक स्नेहा दुबे ने भी मुख्यमंत्री निवास पर पहुंचकर गणपति बप्पा के दर्शन किए। उन्होंने वसईवासियों सहित सम्पूर्ण महाराष्ट्र के लिए सुख-समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और उज्वल भविष्य की प्रार्थना की। विधायक स्नेहा दुबे ने मुख्यमंत्री फडणवीस को ₹जन-जन के विश्वास के प्रतीक और महाराष्ट्र के विकासपुरुष₹ की संज्ञा देते हुए कहा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र लगातार प्रगति की ओर अग्रसर है। आज गणेश जी के चरणों में हम सबने यही प्रार्थना की है कि प्रदेश में सदैव खुशहाली और शांति बनी रहे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा की गई यह गणेश स्थापना न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक रही, बल्कि एक सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का संदेश भी देती है। वर्षा निवास पर गणेशोत्सव का आयोजन हर वर्ष विशेष श्रद्धा और उल्लास के साथ किया जाता है। इस धार्मिक कार्यक्रम में कई गणमान्य अतिथि, मंत्रिगण, अधिकारीगण और श्रद्धालु भी उपस्थित रहे।

वसई में ठाकुरजी की निकली भव्य शोभायात्रा

वसई रोड। वसई रोड नवघर में श्री चारभुजाजी राजस्थान महामंडळ द्वारा आयोजित 40वाँ वार्षिक ठाकुरजी (रेवाड़ी) महोत्सव भाद्रपद सुद 11 के पावन अवसर पर बड़े ही भव्य और श्रद्धामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर नगर में भक्ति, उत्साह और सांस्कृतिक गौरव का अनूठा संगम देखने को मिला। भक्तों की भारी उपस्थितिः सैकड़ों श्रद्धालु भक्तों ने ठाकुरजी के दर्शन कर पुण्यलाभ अर्जित किया। पूरा नगर ठाकुरजी की भक्ति में डूबा नजर आया। लोगों ने पूरे उत्साह के साथ शोभायात्रा में भाग लिया और ठाकुरजी की सेवा में तन, मन, धन से योगदान दिया। शोभायात्रा का भव्य आयोजनः शोभायात्रा का शुभारंभ हनुमान मंदिर (वर्तक कॉलेज के सामने) से हुआ। ढोल-नगाड़ों, वरघोड़े (घोड़े की सवारी), पुष्पवर्षा और भक्ति गीतों के साथ यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई दिवानमान तलाव तक पहुँची। रास्ते भर श्रद्धालु नृत्य करते रहे और जयकारों से वातावरण गुंजायमान होता रहा। आयोजकों ने जताया आभारःश्री चारभुजाजी राजस्थान महामंडळ की ओर से सभी भक्तों का आभार व्यक्त किया गया। महामंडळ ने आयोजन की सफलता पर संतोष जताते हुए कहा कि यह आयोजन समाज की एकता, परंपरा और श्रद्धा का प्रतीक है।

युवक की हत्या पर बवाल,आरोपियों के घर में तोड़फोड़

कासगंज (उत्तरशक्ति)। सिकंदरपुर वैश्य थाना क्षेत्र के गांव नवाबगंज नगरिया में बुधवार को युवक की चाकू से गोदकर हत्या के बाद बवाल हो गया। आक्रोशित भीड़ ने आरोपियों के घर तोड़फोड़ की। आरोपी के भाई के घर में आग लगाने की कोशिश की। पुलिस ने धुआं उठता देख तुरंत मौके पर पहुंचकर आग बुझायी। पुलिस ने स्थिति बिगड़ती देख हल्का बल प्रयोग करके भीड़ को खदेड़ा। पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया। जिन्हें बाद में छोड़ दिया गया। तनाव को देखते हुए पीएसी समेत कई थानों का फोर्स गांव में तैनात है। एएसपी समेत कई सीओ दिनभर गांव में डेरा डाले रहे। नवाबगंज नगरिया गांव में राजकुमार (35) की हत्या के बाद बुधवार को तनाव फैल गया। आरोपी असलम, शमशुल और इरशाद के खिलाफ परिजन व अन्य लोगों में आक्रोश फूट पड़ा। रोड जाम करके आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

केईएम अस्पताल के डॉक्टरों की टीम के द्वारा ओम त्रिपाठी को मिला दूसरी बार जीवन दान

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। कहते हैं धरती पर अगर भगवान का दूसरा रूप कोई है, तो वह डॉक्टर हैं। इस बात को सच कर दिखाया है मुंबई के प्रसिद्ध केईएम अस्पताल की डॉक्टरों और नर्सों की उस समर्पित टीम ने, जिन्होंने नालासोपारा के रहने वाले ओम मुकेश त्रिपाठी को मौत के मुंह से निकालकर एक बार फिर जीवनदान दिया,ओम त्रिपाठी, जो नालासोपारा पूर्व के ओसवाल नगरी में अपने माता-पिता के साथ रहते हैं, मई 2025 में केईएम अस्पताल में मस्तिष्क की तीन गंभीर सर्जरी से गुजरे थे। सर्जरी के बाद करीब दो महीने तक अस्पताल में इलाज चला और फिर वह घर लौट आए। नियमित दवाओं और देखरेख से सेहत में सुधार हो रहा था, लेकिन 10 दिन पहले ही अचानक तबीयत बिगड़ गई। लगातार उल्टी की शिकायत के बाद उन्हें विरार के यशोदा अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉ. संत झा की देखरेख में शुरूआती इलाज शुरू हुआ। रात के समय आई रिपोर्ट में पाया गया कि ओम का हीमोग्लोबिन 6 से भी नीचे और प्लेटलेट्स मात्र 30,000 रह गए थे। स्थिति गंभीर थी, इसलिए बिना देर किए उन्हें फिर से केईएम अस्पताल में रेफर किया गया।

रातों-रात ओम को केईएम अस्पताल लाया गया,जहां डीन डॉ. संगीता रावत के मार्गदर्शन में उन्हें पहले ईपीआर (इमरजेंसी वार्ड) और फिर वार्ड नंबर 2 में भर्ती किया गया। वहां डॉ. ममता मुरंजन (प्राध्यापक-अतिरिक्त) ने इलाज की कमान संभाली। इसके बाद ओम को वार्ड नंबर 1 में शिफ्ट किया गया, जहां डॉ. मिलिंद टुल्लू के नेतृत्व में डॉ. प्रद्या जाधव, डॉ. ऐश्वर्या, डॉ. आर्या, डॉ. शेट्टी, डॉ. मनाली पाटील, डॉ. दिव्या और डॉ. हरिता जैसी अनुभवी डॉक्टरों की टीम ने मोर्चा संभाला।

शुरूआती दिनों में ओम की हालत बेहद नाजुक थी। कभी हीमोग्लोबिन 6 तक गिर जाता, तो कभी प्लेटलेट्स 12,000 तक आ जाते। डॉक्टरों के चेहरों पर चिंता साफ दिखती थी, लेकिन किसी ने हार नहीं मानी। दिन-रात मेहनत जारी रही लगातार टेस्ट, दवाइयां,और समय-समय पर ब्लड और प्लेटलेट्स चढ़ाना,सब कुछ योजनाबद्ध तरीके से किया गया। केवल डॉक्टर ही नहीं, बल्कि वार्ड की नर्सों ने भी ओम त्रिपाठी की देखभाल में कोई कसर नहीं छोड़ी।

समय पर दवाइयां देना, निगरानी रखना और मरीज को मानसिक संबल देना,नर्सों ने हर भूमिका बखूबी निभाई। यही वजह रही कि धीरे-धीरे ओम के शरीर ने दवाओं पर प्रतिक्रिया देना शुरू किया। कुछ ही दिनों में हीमोग्लोबिन 10 के पार और प्लेटलेट्स लाख से ऊपर पहुंच गया।11 दिनों की कठिन लड़ाई के बाद,आखिरकार ओम को अस्पताल से छुट्टी मिल गई। अपने माता-पिता के साथ मुस्कुराते हुए ओम घर लौटे एक ऐसी वापसी, जो पूरे मेडिकल स्टाफ के जज्बे और सेवा भावना की जीत थी।गौरतलब है कि इसी केईएम अस्पताल में मई 2025 में ओम की ब्रेन की एक महीने में तीन बड़ी सर्जरी सफलतापूर्वक की गई थी। और अब एक बार फिर, इस अस्पताल की समर्पित टीम ने एक और जीवन को नया मोड़ दिया। यह सिर्फ एक मरीज की कहानी नहीं है, बल्कि यह इस बात का प्रमाण है कि डॉक्टर, नर्स और स्वास्थ्यकर्मी जब अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित होते हैं, तो चमत्कार भी मुमकिन हो जाते हैं।

इस्माईल डेन्टल हास्पिटल
दांत का अस्पताल
New Year 2025 Offer
निःशुल्क परामर्श
निःशुल्क एक्स रे
नकली दांत पर 20% की छूट
दांत की सफाई पर 50% की छूट
डा. शाहनवाज़ इस्माईल
डॉ. शहला मुसर्रत
Call: 9044644776, 9580978774
क्लीनिक-1
क्लीनिक-2

नोबल हॉस्पिटल & रिसर्च सेन्टर
نوبل ھاسپیٹل اینڈ ریسرچ سنٹر
डा. शारिक नदीम
M.B.B.S., MD
FICC (Cardiology)
फिजिशियन, हृदय एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ
डा. अभिजीत कुमार
M.B.B.S., M.I.M.A
जनरल फिजिशियन
डा0 इरफान अहमद
B.U.M.S.CCH (Indore)
N.D.E.P.C.
Helpline-6307493268
◆ शुगर की जाँच
◆ HbA1c की जाँच
◆ हड्डी की जाँच (BMD)
◆ नस की जाँच (Neuropathy)
◆ फेफड़ों की जाँच (Spirometry)
◆ यूरिक एसिड
◆ कोलेस्ट्राल की जाँच
◆ थायराइड की जाँच
आजमगढ़ रोड, निकट- सेण्ट पैट्रिक स्कूल, पचहटियाँ, जौनपुर- 222001

प्रयागराज के यमुना नदी में मिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर का शव

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। सॉफ्टवेयर इंजीनियर का शव यमुना नदी में मिला। घटना के बाद परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। एक सितंबर को इंजीनियर घर से निकला था, इसके बाद लापता हो गया था। परिजनों के अनुसार शादी न होने से वह परेशान था। युवक की मौत की वजह का पता अभी नहीं चल पाया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। थाना कीडगंज इलाके का रहने वाला विवेक सॉफ्टवेयर इंजीनियर था, वह छात्रों को ऑनलाइन ट्रेनिंग देता था। इसके अलावा विजिट पर विदेश भी जाता था। वह एक सितंबर को अचानक घर से निकल गया था। इसी दिन उसने एक बार पिता को फोन किया था। बिना कुछ कहे उसने फोन कट कर दिया। इसके बाद से उसका कहीं पता नहीं चल पा रहा था। परिवार के लोगों ने उसकी काफी तलाश की लेकिन उसका पता नहीं चल पाया।

हत्या या आत्महत्या, अभी स्पष्ट नहीं इसके बाद पुलिस को सूचना दी, पुलिस विवेक की खोजबीन कर रही थी। इस बीच गुरुवार को किसी ने पुलिस को सूचना दी कि एक युवक का शव यमुना में पड़ा है। पुलिस ने परिजनों को इसकी जानकारी दी, परिवार के लोगों ने शव की पहचान सॉफ्टवेयर इंजीनियर विवेक के रूप में की,घटना के बाद परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। युवक ने आत्महत्या की है या उसकी हत्या हुई है, अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। सीसीटीवी में नजर आया इंजीनियर कीडगंज एसएचओ संजय कुमार सिंह ने बताया कि परिजनों का आरोप है कि विवेक ने आत्महत्या नहीं की है। पुलिस ने आसपास से सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो विवेक अपने घर से रात में यमुना ब्रिज की ओर जाने वाली रोड पर जाते नजर आया. विवेक की मां की पहले ही मौत हो चुकी है। बहन की शादी हो चुकी है। घटना के दौरान पिता किसी काम से बाहर गए हुए थे। घर पर ही मिला इंजीनियर का फोन एसएचओ के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वजह का पता चल पाएगा। विवेक का फोन घर पर ही मिला है, वहीं पिता विजय कृष्ण का कहना है कि शादी न होने के कारण विवेक काफी समय से डिप्रेशन में था, परिवार के लोग उसे समझा रहे थे।

काशी की नई पहचान: तीर्थ से पर्यटन की वैश्विक उड़ान

वाराणसी। काशी केवल एक शहर नहीं, वह भारत की आत्मा का स्वर है। यहां सूरज गंगा किनारे उगता है तो लगता है मानो आस्था की अग्नि लहरों पर तैर रही हो। शाम ढलती है तो दशाश्वमेध घाट पर आरती की गूंज में अनादि काल का संगीत जीवंत हो उठता है। मतलब साफ है गंगा की गोद में बसी काशी, जहां हर मोड़ पर इतिहास साँस लेता है और हर घाट पर आस्था की आरती जलती है, अब एक नई यात्रा की ओर अग्रसर है। यह यात्रा केवल तीर्थ तक सीमित नहीं, बल्कि पर्यटन की उस दिशा में है जो काशी को विश्व पटल पर एक अनूठी पहचान दिलाएगी। वैसे भी सदियों से यह नगरी यात्रियों को आकर्षित करती रही है, पर अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन ने काशी को नया आयाम दिया है, तीर्थ से पर्यटन तक का सफर। इस संकल्प को मूर्त रूप देने के लिए पर्यटन मंत्रालय, उत्तर प्रदेश पर्यटन और स्थानीय प्रशासन ने एक ऐसी योजना प्रस्तुत की है, जो आस्था को संस्कृति, और संस्कृति को पर्यटन से जोड़ देगी।

अभी तक पर्यटक वाराणसी आते थे, मंदिरों के दर्शन और गंगा आरती देखकर लौट जाते थे। या यूं कहे अधिकांश यात्री काशी विश्वनाथ के दर्शन और गंगा स्नान व गंगा आरती तक ही सीमित रहते थे। लेकिन अब काशी को 170 धरोहर स्थलों के मानचित्रण से नया स्वरूप दिया गया है। इसके अंतर्गत 11 वॉक और 8 यात्रा कार्यक्रम बनाए गए हैं, जिनमें पर्यटक काशी की गलियों में छुपी कहानियों से लेकर घाटों की जीवंत परंपरा तक का अनुभव करेंगे। प्रशासन चाहता है कि यात्रियों का प्रवास केवल एक दिन का न होकर हर यात्री यहां कम से कम तीन दिन ठहरे। इसके लिए सोशल मीडिया से लेकर अन्य जरुरी प्रचार-प्रसार तंत्र का सहारा ले रही है. इसी कड़ी में शहर भर के सोशल मीडिया पर एक्टिव युवाओं की टोली को दो दिवसीय प्रशिक्षण भी दिसया गया। नई योजना में जो वॉक जोड़े गए हैं, वे केवल मार्ग नहीं हैं, वे कहानियों की कड़ियां हैं। घाट वॉक में गंगा की लहरों के साथ घाटों की ऐतिहासिक गाथाएं मिलेंगी। बुनकर वॉक में बनारसी साड़ियों की रेशमी धड़कन पर्यटक देख पाएंगे। साहित्य वॉक में तुलसीदास और कबीर की पंक्तियां गलियों में गूंज उठेंगी। भोजन वॉक में काशी की चाट, ठंडई और लस्सी का स्वाद होगा। इन मार्गों पर चलते हुए पर्यटक केवल दीवारें और मंदिर नहीं देखेंगे, बल्कि काशी की आत्मा को महसूस करेंगे। मतलब साफ है यात्री उन अनुभवों की डोर होंगे, जिनसे काशी की आत्मा झलकती है। काशी की परिधि अब केवल मणिकर्णिका और दशाश्वमेध तक सीमित नहीं रहेगी। आठ यात्रा कार्यक्रमों में पर्यटक विंध्याचल के मां विंध्यवासिनी मंदिर तक जाएंगे, चुनार किले की प्राचीर छूएंगे, चंद्रप्रभा वन्यजीव अभयारण्य की हरियाली देखेंगे, अयोध्या व प्रयागराज की पवित्रता का अनुभव करेंगे। साथ ही सारनाथ की बौद्ध गाथा इन पैकेजों को और अधिक समृद्ध बनाएगी। यह संयोजन धार्मिक आस्था, प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक धरोहर को एक सूत्र में पिरोता है।

वाराणसी कमिश्नरी सभागार में आयोजित कार्यशाला में 250 से अधिक टूर ऑपरेटर, गाइड और एजेंट जुटे। मंत्री रवींद्र जायसवाल ने कहा, ‌काशी का भविष्य पर्यटन समुदाय की सक्रियता पर निर्भर है। यदि आप इन नए वॉक और पैकेजों को अपनाएंगे तो पर्यटक केवल दर्शन नहीं करेंगे, बल्कि अनुभव लेकर लौटेंगे ‌आपके प्रयासों से ही दुनिया में काशी नई पहचान बनाएगी। आप अपने पैकेजों में इन यात्राओं को शामिल करें ताकि हर पर्यटक यहां के रंग, रस और राग का अनुभव कर सके ‌कमिश्नर एस. राजलिंगम ने भी आश्वस्त किया कि प्रशासन इन योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए हर संभव सुविधा मुहैया कराएगा। इस दौरान उन्होंने टूर ऑपरेटरों से फीडबैक भी साझा की और यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

डिजिटल युग में सतर्कता ही सबसे बड़ा सुरक्षा कवच : पुलिस आयुक्त

वाराणसी। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट वाराणसी मोहित अग्रवाल ने गुरुवार को यातायात लाइन सभागार में व्यापारी बन्धुओं संग साइबर अपराध से बचाव हेतु जागरूकता गोष्ठी की। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है। अज्ञात कॉल, लिंक या मैसेज से दूरी बनाएं और अपने बैंकिंग/वित्तीय विवरण किसी भी हाल में साझा न करें। किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी होने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 या साइबर पोर्टल पर सूचना दें। उन्होंने व्यापारियों को डिजिटल अरेस्ट जैसे नए साइबर ठगी के तरीकों से सतर्क रहने को कहा। ठग पुलिस या सीबीआई अधिकारी बनकर झूठे केस/वारंट दिखाते हैं और पैसों की मांग करते हैं। ऐसे कॉल पूरी तरह फर्जी होते हैं। व्यापारियों को निवेश स्कीम धोखाधड़ी, आसान लोन व फर्जी केवाईसी अपडेट, म्यूल अकाउंट का उपयोग, ऑनलाइन नौकरी ठगी, नकली बैंकिंग ऐप और फोन सेटिंग बदलवाकर डाटा चोरी जैसे मामलों से बचने की सलाह दी गई। उन्होंने जोर देकर कहा कि ओटीपी, एटीएम पिन, सीवीवी नंबर और बैंक खाता संबंधी विवरण कभी साझा न करें। पासवर्ड हमेशा मजबूत और समय-समय पर बदला जाना चाहिए। किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत पुलिस को सूचित करें और दूसरों को भी जागरूक करें। इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त काशी गौरव बंशवाल, पुलिस उपायुक्त अपराध सरवणन टी, अपर पुलिस उपायुक्त (साइबर अपराध) श्रीमती नीतू, अपर पुलिस उपायुक्त यातायात अंशुमान मिश्र, सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली ईशान सोनी, महानगर व्यापार उद्योग समिति अध्यक्ष प्रेमनाथ मिश्रा, मुख्य संरक्षक आर.के. चौधरी, संरक्षक नारायण खेमका, कोषाध्यक्ष पंकज अग्रवाल सहित व्यापारीगण उपस्थित रहे।

जनपद में 63072 परीक्षार्थी प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा-2025 में होंगे सम्मिलित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा-2025 को सकुशल, नकलविहीन तथा पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराये जाने के सम्बन्ध में कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला में समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक को परीक्षा आयोजन संबंधी दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा-2025 की लिखित परीक्षा 06 सितम्बर 2025 (शनिवार) व 07 सितम्बर 2025 (रविवार) को दो सत्रों में (पूर्वान्ह 10:00 बजे से 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपरान्ह 03:00 बजे से 05:00 बजे तक) आयोजित की जाएगी। इस प्रकार परीक्षा कुल चार पालियों में आयोजित होगी, जिसमें कुल 63072 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे।

परीक्षा हेतु जनपद में कुल 35 परीक्षा केन्द्र बनाये गये है, परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु 35 स्टेटिक मजिस्ट्रेट, 35 सेक्टर मजिस्ट्रेट लगाये गये है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि परीक्षा केंद्रों पर तैनात स्टेटिक मजिस्ट्रेट आयोग द्वारा जारी निर्देश पुस्तिका में दिये गये दिशा-निर्देशों के अनुसार सम्पूर्ण परीक्षा अवधि में केन्द्र पर उपस्थित रह कर केन्द्र व्यवस्थापक/कार्यदायी संस्थाओं से समन्वय बनाते हुए परीक्षा निर्विघ्न, शुचितापूर्वक एवं शान्तिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराया जाना सुनिश्चित करेंगे। जिलाधिकारी ने स्पष्ट रुप से निर्देश दिये है कि परीक्षा के दौरान किसी भी अभ्यर्थी द्वारा अनुचित साधनों का प्रयोग पाये जाने पर सेक्टर मजिस्ट्रेट द्वारा तत्काल संज्ञान में लेते हुए जिला प्रशासन तथा आयोग के कंट्रोल रूम में अवगत कराया जायेगा। ऐसा कोई भी कृत्य अथवा करने का प्रयास अथवा परीक्षा की शुचिता को प्रभावित करने का प्रयत्न अनुचित साधनों का प्रयोग, प्रतिरुपण सम्बन्धी प्रकरणों में उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अधिनियम 2024 के अन्तर्गत सुसंगत प्रविधानों के अन्तर्गत कार्यवाही की जाएगी, जिसमें उम्र कैद की सजा के साथ ही एक करोड़ तक के जुमार्ने का प्रावधान है। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) राम अक्षयबर चौहान को नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त उपजिलाधिकारी (द्वितीय) अजय कुमार उपाध्याय को सह नोडल अधिकारी नामित किया गया है।

इसके साथ ही जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि परीक्षा से पूर्व सभी परीक्षा केन्द्रों पर आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित कर ली जाए, जिससे अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे अवश्य सक्रिय रहने चाहिए। उन्होंने यातायात व्यवस्था के प्रबन्धन के सम्बन्ध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 राम अक्षयवर चौहान, सीओ सिटी देवेश सिंह, समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक सहित अन्य उपस्थित रहे।

युवक की दो पत्नियां आमने सामनें, पहुंची थाने

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले जलालपुर थाना क्षेत्र के एक गांव से एक दिलचस्प मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने गुपचुप तरीके से दो शादियां कर रखी थीं। एक पत्नी घर पर रहती थी, जबकि दूसरी वाराणसी में। दोनों ही महिलाओं से उसे दो-दो बच्चे हैं। युवक ने पहली शादी परिवार की रजामंदी से की थी, और यह पत्नी गांव स्थित घर में रहती है। दूसरी शादी उसने परिवार से छुपाकर अपनी मर्जी से की थी और वह वाराणसी में रहती थी। दूसरी पत्नी को उसने यह कहकर बहलाया था कि घरवाले नाराज हैं, जल्द ही मना कर तुम्हें घर ले आऊंगा। मामला तब खुल गया जब वाराणसी वाली पत्नी को पति की दूसरी शादी की सच्चाई पता चल गई। गुस्से में वह सीधे गांव पहुंच गई, जहां दोनों पत्नियां आमने-सामने हो गईं और विवाद बढ़ता चला गया। स्थिति तनावपूर्ण होते देख मामला थाने तक पहुंच गया। थाने में कानूनी शिकंजा में फंसता देख युवक ने दोनों पत्नियों को साथ रखने की बात कही। उसने पुलिस और परिजनों के सामने यह ऐलान किया कि वह दोनों को बराबर का अधिकार, और खर्च देगा। सभी पक्षों की आपसी सहमति के बाद मामला सुलझा और सभी घर लौट गए। यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

थाना जफाबाद पुलिस द्वारा चोरी की घटना का सफल अनावरण, दो आरोपियों गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना जफराबाद पुलिस टीम द्वारा चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 01 बैट्री, 01 इनवर्टर व टीवी सेट के विक्रय से प्राप्त 2200 रुपया नगद बरामद किया। पूर्व की घटना का संक्षिप्त विवरण, 22.08.2025 को राजेश सिह पुत्र अम्बिका सिह निवासी अहमदपुर थाना जफराबाद जौनपुर द्वारा प्राथमिक पाठशाला शिवपुर मे लगे टीवी सेट को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा चोरी कर लिये जाने के सम्बन्ध में प्राप्त प्रार्थना पत्र मु0अ0स0-203/25 धारा 305ए बीएनएस पंजीकृत किया गया। दिनांक 01.09.25 को अकेश कुमार सरोज पुत्र राजकुमार सरोज निवासी लहंगपुर थाना जलालापुर जौनपुर द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र ग्राम वशीरपुर मे लगे इनवर्टर, बैट्री को अज्ञात चोरो के द्वारा चुरा लेने के सम्बन्ध में प्राप्त प्रार्थना पत्र पर मु0अ0स0-211/25 धारा 331(4)/305ए बीएनएस पंजीकृत किया गया।

गोवर्धन पूजन की कथा का रसपान किया

सीकर(उत्तरशक्ति)। अनिरुद्ध रेजिडेंसी पालवास रोड सीकर में ऋषिकेश देवाचार्य श्री गणेश दास बैरागी एवं ज्योतिष आचार्य विक्रम शास्त्री यागिक के आचार्यत्व में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में कोई एकादशी है कथा वाचक श्री बृजभूषण जी महाराज बृजेश्वर महादेव मंदिर श्रीधाम वृंदावन ने भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं में यशोदा का भगवान को उखल से बांधना जमुना मैया में कालिया नाग दहन मटकी फोड़कर माखन चुराना और गोवर्धन पूजन की कथा का रसपान करवाया ' कथा में श्री करणी माता मंदिर एवं श्रीकरणी गोशाला के संत श्री चंद्रमा दास जी महाराज का आशीर्वाद भक्तों को प्राप्त हुआ महाराज श्री ने कहा की जो गौ माता की सेवा करते हैं भगवान सदैव उन पर अपनी कृपा बरसाते रहते हैं कथा में मुख्य यजमान पंडित विक्रम शर्मा एवम् संतोष देवी दशरथ सिंह व मनीषा कंवर के साथ पूर्विका शर्मा चेरविका शर्मा रमेश कुमार शुक्ला श्रीधर भगवानाराम गुर्जर वीरेंद्र बाटड़ राकेश कुमार त्रिपाठी रकेश चंद्रा विश्वनाथ ठाकुर अनिरुद्ध रेजीडेंसी के पुजारी हिमांशु शर्मा कृष्णा पारीक सुनील जांगिड़ ज्ञानचंद शर्मा रघुजी भामु बंशीधर शर्मा दीपक शर्मा गजेंद्र सिंह डॉक्टर लाल सिंह संजू शिवाल सुशीला गुजरी सुनीता चौधरी सरिता शर्मा रचना बाटड़ राजकुमारी जांगिड़ चेतना पारीक पायल स्वामी संगीता स्वामी प्रियंका चौधरी नायरा सोनी पार्वती वर्मा मंजू चौधरी सहित सैकड़ो भक्तजन उपस्थित रहे ।

भरतपुर व ताहिरपुर विद्यालय बने शिक्षा के आदर्श

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल ने अवगत कराया है कि जनपद के परिषदीय विद्यालय अब शिक्षा के क्षेत्र में निजी स्कूलों को भी पीछे छोड़ते हुए नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। सिकरारा ब्लॉक का कंपोजिट विद्यालय भरतपुर और प्राथमिक विद्यालय ताहिरपुर अपने-अपने संसाधनों, अनुशासन व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के दम पर आदर्श बन चुके हैं। कंपोजिट विद्यालय भरतपुर में कक्षा-कक्ष रूपांतरण, कंप्यूटर व प्रिंटर युक्त ऑफिस, स्मार्ट बोर्ड, टीवी, ब्लूटूथ, प्रोजेक्टर, माइक-स्पीकर, मॉर्निंग असेम्बली माइक, सीसीटीवी कैमरा व वाई-फाई की सुविधा उपलब्ध है। प्रत्येक कक्षा डेस्क-बेंच से सुसज्जित है तथा सौंदर्यपूर्ण वातावरण बच्चों को आकर्षित करता है। विद्यालय को 19 पैरामीटर पर संतृप्त घोषित किया गया है। यहां निःशुल्क शिक्षा के साथ कंप्यूटर शिक्षा व वीरांगना लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। शून्य निवेश से बनी लाइब्रेरी, डीलएमएस और साफ-सुथरे शौचालय इसकी विशेषता हैं। विद्यालय की इंचार्ज हेड टीचर संगीता सिंह ने बताया कि इन सभी कार्यों की सफलता सहायक अध्यापक राजू सिंह के सहयोग से संभव हुई है।

प्राथमिक विद्यालय ताहिरपुर आधुनिक संसाधनों से लैस होकर गुणवत्तापरक शिक्षा का आदर्श बन चुका है। यहां सभी कक्षाओं में स्मार्ट टीवी व टीएलएम उपलब्ध हैं। 7 जून 2022 को जनपद का पहला डिस्कवरी लैब यहीं स्थापित हुआ, जिसमें विज्ञान के 150 से अधिक उपकरण हैं। प्रधानाध्यापक डॉ. अमित सिंह के नेतृत्व में विद्यालय 2018 में 63 बच्चों से बढ़कर आज 262 बच्चों तक पहुँच गया है। एसी युक्त कार्यालय, आरओ व वाटरकूलर से शुद्ध पेयजल, सोलर पैनल आधारित विद्युत आपूर्ति और अत्याधुनिक शौचालय जैसी सुविधाओं के चलते यह विद्यालय निजी स्कूलों को भी चुनौती दे रहा है। इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने दोनों विद्यालयों की सराहना करते हुए कहा कि भरतपुर और ताहिरपुर विद्यालय शिक्षा व संसाधनों के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं और अन्य विद्यालयों के लिए प्रेरणा बने हुए हैं।

अगली बैठक में योजनाओं को मूर्तरूप दिया जाए: कुलपति

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय का 29 वां दीक्षांत समारोह आगामी 6 अक्टूबर को आयोजित होगा। इस संबंध में कुलपति सभागार में गुरुवार को कुलपति प्रो. वंदना सिंह की अध्यक्षता में तैयारी बैठक हुई। बैठक में समिति के संयोजकों से बिंदुवार चर्चा की गई। कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने 53 समितियों के संयोजकों के साथ विंदुवार चर्चा की। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि दीक्षांत समारोह की तैयारियों में सभी निदेर्शों का प्राथमिकता से पालन होगा। अगली बैठक में योजनाओं को मूर्तरूप दे दिया जाए।इस अवसर पर समारोह की गुणवत्ता और बेहतर बनाने के लिए संयोजकों से सुझाव भी लिए गए। बैठक का संचालन कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रो. मानस पांडेय, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. अजय द्विवेदी, छात्र अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. राकेश यादव, प्रो. गिरधर मिश्र, डॉ. मनीष गुप्ता, डॉ प्रमोद यादव, डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अनु त्यागी, डॉ. मंगला प्रसाद यादव, दिव्येंदु मिश्र, राजन तिवारी, उपकुलसचिव अमृतलाल, बबिता सिंह, अजीत प्रताप सिंह, डॉ. राजेश सिंह, सुशील प्रजापति सहित समस्त प्रशासनिक अधिकारी एवं सभी समितियों के संयोजक उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त शिक्षकों के बकाया भुगतान न होने से आहत, शिक्षक दिवस न मनाने का लिया निर्णय

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (ठकुराई गुट) जौनपुर ने सेवानिवृत्त शिक्षकों के जीपीएफ भुगतान, पेंशन और अगस्त माह के वेतन का भुगतान न होने पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। इसी के मद्देनजर संगठन ने निर्णय लिया है कि कल 5 सितम्बर, शिक्षक दिवस के अवसर पर कोई भी कार्यक्रम नहीं मनाया जाएगा। संगठन द्वारा इस संबंध में एक पत्र जिलाधिकारी को सौंपा गया है, जिसकी प्रतिलिपि संयुक्त शिक्षा निदेशक एवं जिला विद्यालय निरीक्षक को भी प्रेषित की गई है। प्रदेश संरक्षक रमेश सिंह ने बताया कि जनपद के कुल 12 सेवानिवृत्त शिक्षकों में से केवल 3 का ही विनियमितीकरण सत्यापन जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से भेजा गया है, जबकि शेष 9 शिक्षक महीनों से चक्कर काटने को विवश हैं। बार-बार अनुरोध करने के बावजूद उन्हें केवल आश्वासन ही मिलता है। उन्होंने कहा कि ग्रांट मिलने के बावजूद अगस्त माह का वेतन अब तक जारी नहीं हुआ है। संबंधित अधिकारी वेतन बिल पर हस्ताक्षर तक करने को तैयार नहीं हैं और झूठे आश्वासन देकर शिक्षकों को टाल रहे हैं। रमेश सिंह ने कहा जब हमारे सेवानिवृत्त शिक्षक अपने ही देयक पाने के लिए दर-दर भटक रहे हैं, तो ऐसे में शिक्षक दिवस मनाने का कोई औचित्य नहीं रह जाता।

जीवन को सही दिशा देता है शिक्षक: प्रो .अजय प्रताप सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान लैब में गुरुवार को शिक्षक दिवस का आयोजन उत्साहपूर्वक हुआ। विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के सम्मान में कविताएँ और गीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में शिक्षकों ने विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाते हुए विचार रखे।

व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग अध्यक्ष ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान देने वाला नहीं, बल्कि जीवन में सही दिशा दिखाने वाला पथप्रदर्शक होता है। विद्यार्थी सदैव प्रश्न पूछें और सीखने की जिज्ञासा जीवित रखें। संकाय अध्यक्ष प्रो. मनोज मिश्र ने कहा कि शिक्षक का दायित्व केवल शिक्षा देना ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में मानवीय संवेदनाओं और मूल्यों का विकास करना भी है। यही शिक्षा की पूर्णता है। जनसंचार विभाग के डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि शिक्षा का असली उद्देश्य व्यक्तित्व का विकास है। शिक्षक और विद्यार्थी मिलकर समाज को नई दिशा दे सकते हैं। व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग की डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि गुरु-शिष्य का संबंध सदियों से भारतीय संस्कृति की आत्मा रहा है। विद्यार्थी अपने जीवन में अनुशासन और परिश्रम को अपनाएं। डॉ. मनोज पांडे ने कहा कि शिक्षक दिवस केवल स्मरण का दिन नहीं बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। शिक्षक तभी सफल हैं जब उनके विद्यार्थी समाज में जिम्मेदार भूमिका निभाएं। डॉ. अनु त्यागी ने कहा कि विद्यार्थी अपने सपनों को साकार करने के लिए शिक्षा को साधन बनाएं। शिक्षकों का सम्मान ज्ञान की रोशनी को और प्रखर करता है। इस कार्यक्रम में सुमित सिंह, शैम्पी अग्रहरि, शिवकांत ओझा, अमन कौन्नौजिया, उमम आदि ने अपनी प्रस्तुति दी। इस अवसर पर डॉ चंदन सिंह डॉ. अमित मिश्र, डॉ सुरेंद्र कुमार, अर्पित समेत सभी विद्यार्थियों ने शिक्षकों से प्रेरणा ली। कार्यक्रम का संचालन मनोविज्ञान विभाग की छात्रा प्रीति सिंह ने किया।धन्यवाद ज्ञापन सिद्धार्थ जायसवाल ने किया।

पुलिस ने कंधरपुर लूट करने वाले आरोपीगण को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना लाइन बाजार पुलिस टीम द्वारा कंधरपुर लूट कारित करने वाले आरोपीगण को किया गया गिरफ्तार, कब्जे से घटना में प्रयुक्त वाहन तथा लूट के माल की बिक्री के हिस्से से मिले 21,500/- रुपये बरामद किया है। घटना के संबंध में बता दें कि एक सिंतबर को कंधरपुर में सुबह 06.00 बजे सन्तोष कुमार यादव पुत्र बांकेलाल यादव ग्राम-कन्धरपुर पो0 मुरादगंज जिला-जौनपुर थाना-लाइनबाजार जौनपुर टहल रहे थे कि उसी दौरान पीछे से दो लोग पल्सर मोटर साइकिल से आये और गाड़ी खड़ी करके पिस्टल सटा कर चैन छीनने लगे। उनके द्वारा विरोध करने पर पिस्टल से गोली मार दिये जो सन्तोष कुमार यादव के बाये पैर कि जाँघ मे लगी। तत्पश्चात गले से दो चैन छीन कर पिस्टल लहराते हुए भाग गये थे। जिसके सम्बंध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 0343/25 धारा 309(6) बीएनएस पंजीकृत किया गया था।

गिरफ्तारी का विवरण, दिनांक-04.09.25 को देखभाल क्षेत्र,तलाश वांछित/वारण्टी व अपराधियों की गिरफ्तारी के दौरान कंधरपुर लूट कारित करने वाले आरोपीगण को राममनोहर लोहिया स्कूल कलीचाबाद के पास से आज आरोपीगण आकाश यादव उर्फ सिन्टू व रिषभ यादव को गिरफ्तार कर अग्रेतर विधिक कायार्वाही की जा रही है। पूछताछ का विवरण, आरोपी आकाश यादव द्वारा पूछताछ पर बताया गया कि घटना में प्रयुक्त मोटर साईकिल मेंरी है हम लोग सदस्यो से रैकी करवाकर सिकड़ी (चैन) पहनने वाले लोगो को चिन्हित करते है। इसके बाद ये लोग सुबह के समय में छिनैती करते है जो लोग अपना चैन आसानी से दे देते है उन्हे छोड़ देते है और जो विरोध करते है उन्हे गोली भी मारते है। आरोपियों द्वारा कुछ दिन पहले प्रतापगढ एवं इलाहाबाद में सुबह के समय छिनैती की घटना कारित की गई थी। आरोपियों द्वारा पढ़ने वाले लडको को पहले खिला पिला कर पैसे का प्रलोभन दिया जाता है एवं गाड़ी में बैठा कर घुमाते है। जिससे अधिक से अधिक लडके ग्रुप में शामिल हो जाते है। कन्धरपुर वाली घटना में ग्रुप के सदस्य रैकी किये थे। आकाश यादव अपनी मोटर साइकिल दिया था। मोटर साइकिल पल्सर से अन्य सदस्य द्वारा f 01.09.2025 को गोली मार घटना कारित की गई थी। आरोपी रिषभ यादव द्वारा पूछने पर बता रहा है साहब जो मेरे पास से पैसा बरामद हुआ है वह 01.09.2025 को कन्धरपुर में हुई गोली मार कर लूट की घटना में हिस्सा मिला था साहब हम भी इसी ग्रुप में रहते है मै योजना बनाने में था मुझे घटना की जानकारी थी जो भी लूट पाट की घटना होती है लूट का पैसा सभी सदस्यो में ग्रुप चलाने के लिये बटता था। बयान आरोपीगण व बरामदगी के आधार पर धारा 317(2)/317(5)/109 (1)/111/61 बीएनएस की बढोंत्तरी की गयी।

विकसित यूपी 2047 की राह में सबसे बड़ा रोड़ा है बिजली का निजीकरण

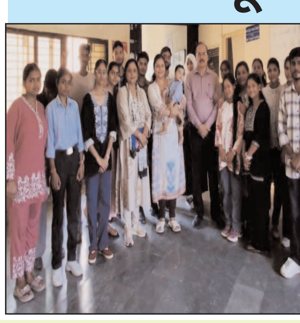

वाराणसी. विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के बैनर तले निजीकरण के विरोध में जारी आंदोलन गुरुवार को 281वें दिन भी तेज रहा। बनारस के बिजलीकर्मियों ने व्यापक प्रदर्शन कर स्पष्ट किया कि विकसित उत्तर प्रदेश 2047 का सपना तभी पूरा होगा जब बिजली सार्वजनिक क्षेत्र में बनी रहे। सभा को संबोधित करते हुए ई. मायाशंकर तिवारी ने कहा कि निजीकरण से आम जनता और खासकर किसानों को सस्ती बिजली नहीं मिल पाएगी। घाटा उठाकर भी वर्षों से सार्वजनिक क्षेत्र गरीब और मध्यमवर्गीय उपभोक्ताओं को रियायती दर पर बिजली देता आया है, लेकिन निजी कंपनियां ऐसा करने से बचेंगी। इसका सीधा असर खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। अंकुर पांडेय ने कहा कि सरकारी उत्पादन घरों से मिलने वाली बिजली औसतन 4.17 रुपये प्रति यूनिट की है, जबकि निजी कंपनियों की बिजली 7 से 19 रुपये प्रति यूनिट तक महंगी है। ऐसे में निजीकरण होने पर बिजली के दाम स्वतः बढ़ेंगे और किसानों से लेकर छोटे उपभोक्ता तक इसकी मार झेलेंगे। समिति ने चेतावनी दी कि बिजली निजी हाथों में गई तो न केवल महंगाई बढ़ेगी बल्कि 2047 तक विकसित उत्तर प्रदेश का विजन भी अधूरा रह जाएगा। संघर्ष समिति ने साफ किया कि निजीकरण का निर्णय वापस होने तक आंदोलन जारी रहेगा। सभा को संबोधित करने वालों में ई. मायाशंकर तिवारी, अंकुर पांडेय, आर.के. श्रीवास्तव, शिवम उपाध्याय, कृष्णा सिंह, अभिषेक यादव, रमेश कुमार, कमलेश यादव, अरुण कुमार, ओमप्रकाश विश्वकर्मा, सतीश चंद्र पांडेय, पी.एन. चक्रधारी, पंकज यादव, बृजेश यादव, रोहित कुमार, सूरज रावत, विकास ठाकुर, प्रवीण कुमार, बृज सोनकर और संजय गौतम शामिल रहे।

जीवन रक्षा हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर

डा0 नवीन कुमार सिंह
M.B.B.S., M.S. (Ortho)
हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 शिल्पी सिंह
M.B.B.S., M.S. (Obs & Gyn)
स्त्री रोग विशेषज्ञ

- फ्रेक्चर
- गठिया
- कमर दर्द
- ऑथराइटिस
- कूल्हा, घुटना प्रत्यारोपण
- इत्यादि रोगो का इलाज

- सिजेरियन डिलीवरी
- बच्चेदानी का ऑपरेशन
- ट्यूमर का ऑपरेशन
- दूरबीन विधि द्वारा
- बच्चे की जाँच
- नार्मल डिलीवरी

आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
इमरजेन्सी सुविधा 24 घण्टे उपलब्ध
नया पता- पुलिस चौकी के सामने, सिपाह, आजमगढ़ रोड, जौनपुर (उ0प्र0) 6390303050

TSMH त्रिभुवन सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल

डा0 स्पृहा सिंह
M.B.B.S., MD (Pt. JNM Raipur)
CCEBDM (Diabeties)
जनरल फिजिशियन एवं मधुरोग विशेषज्ञ
पूर्व चिकित्सक आपोलो हॉस्पिटल, हैदराबाद

डा0 जयेश सिंह
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (पीडियाट्रिक्स)
डी.एम. (नियोनेटोलॉजी)
(Fernandez Hospital, Hyderabad)
DASSI (KEM Pune)
ONTOP (AIIMS New Delhi)
पूर्वांचल के प्रथम व एकमात्र सुपर स्पेशलिस्ट नवजात शिशु व बाल रोग विशेषज्ञ

- नवजात शिशु का आई.सी.यू. एवं बच्चों के सभी रोगों का इलाज।
- निमोनिया, जन्म पर गन्दा पानी पीने वाले नवजात अत्याधुनिक आई.सी.यू. की सुविधा।
- समय से पूर्व (सतवासे) में पैदा हुए बच्चों का इलाज एवं बच्चों का समस्त टीकाकरण।
- हमारे यहाँ आयुष्मान कार्ड के द्वारा नवजात शिशु व बच्चों के डायलसिस की सुविधा
- निशुल्क उपलब्ध है। ▪ इत्यादि समस्त रोगो का इलाज की सुविधा।

हृदय रोग एवं डायबिटीज रोग विशेषज्ञ

- वयस्कों में हार्ट, किडनी, शुगर, पेट रोग, लकवा, पैरालाइसिस, निमोनिया,
- लीवर, डेंगू, मलेरिया, टाईफाइड, अस्थमा/दमा, हाईब्लड प्रेशर, मलेरिया,
- डायलसिस, सिजेरियन डिलिवरी, नसों में शून्पन, मस्तिष्क ज्वर, पीलिया,
- हेपेटाईटिस बी., ल्यूकोरिया, खूनी पेचिस, सर दर्द, माइग्रेन, यूरिन इन्फेक्शन
- स्वास व फेफड़ा रोग व अन्य सभी रोगों का इलाज किया जाता है।

आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
पता- दिवानी कचहरी, अम्बेडकर तिराहा, जौनपुर (उ0प्र0)
05452-356274/ 7992031213, 9026551423

अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर

डा. अरुण आर. सिंह
कन्सलटेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपैडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथैरेपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)

वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग

गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

डा0 पुनीत सिंह
M.S.M.C.H.

डा0 रवि प्रकाश सिंह
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

डा0 प्रभात सिंह
M.D.(Medicine)

डा0 सुमित कुमार सिंह
M.D.(Neuro Psychiatrist)

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं
8090966086,8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

SALVATION HOSPITAL
साल्वेशन हॉस्पिटल

The Culture of Care

डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव
B.A.M.S.
(स्त्री रोग विशेषज्ञा)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय
राज्यकर्मी कैशलेस चिकित्सा योजना संबद्ध अस्पताल

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना
के अंतर्गत सूचीबद्ध अस्पताल

24/7 Emergency Services
24 घंटे भर्ती की सुविधा

आई.सी.यू. | डायलेसिस | एच.डी.यू.
नेत्र विभाग | अस्थि रोग विभाग
दन्त चिकित्सा | किडनी विभाग
जनरल मेडीसिन | जनरल सर्जरी

डॉ. विवेक श्रीवास्तव
M.D. (Physician, F.G.O.
(APOLO HOSPITAL) P.G.D.S.
Member of Indian Medical
Association UPMCI Rg. No. 95653

नोट- प्रत्येक महीने के दूसरे रविवार को प्रयागराज के गुर्दा रोग विशेषज्ञ डा0 सन्तोष मौर्य (M.D., D.M. Nephro) 12 बजे से 4 बजे तक उपलब्ध रहते हैं।
कंधरपुर, मुरादगंज, जौनपुर (वाराणसी-लखनऊ न्यू हाइवे के बगल में बाईपास से 400 मीटर की दूरी पर 9138828282, 8686867547

एस.आर.एस. हॉस्पिटल एण्ड ट्रामा सेन्टर

डा. अभय प्रताप सिंह
MBBS (KGMU), DNB(Ortho), MS (Ortho) UCN, FIJR (Germany), MNAMS
आर्थ्रोस्कोपिक एण्ड ज्वाइंट रिप्लेसमेन्ट आर्थोपेडिक सर्जन
हड्डी रोग विशेषज्ञ
ओ.पी.डी. प्रतिदिन

डा. आनन्द त्रिपाठी
MBBS, MD, DM (Neuro)
न्यूरो फिजिशियन
ओ.पी.डी. प्रतिदिन

डा. निदा सलाम
CGO
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
ओ.पी.डी. प्रतिदिन

डा. अरविन्द कुमार अग्रहरि
MBBS, MS, MCH (Neuro)
न्यूरो सर्जन
विजिटिंग/ऑन काल

डा. एस.के. मिश्र
MBBS, MS (General Surgeon)
जनरल सर्जरी
विजिटिंग/ऑन काल

डा. चंचला मिश्रा
MBBS, MS (Obs & Gyn.)
स्त्री रोग विशेषज्ञ
विजिटिंग/ऑन काल

डा. राजेश त्रिपाठी
MBBS, MD (Anesthesia)
एनेस्थिसिया रोग विशेषज्ञ
विजिटिंग/ऑन काल

7355 358194 | 05452- 356555

तेज डायग्नोस्टिक सेन्टर के सामने (पेट्रोल पम्प के बगल में) नईगंज तिराहा, जौनपुर

ए. एम. बजाज

BAJAJ

मो. अशहद

अब्दुल माजिद

मानी कलां, गुरैनी रोड, जौनपुर- 222139 | 9621032024, 9651316060, 9621139686

AMIR TRAVELS

Hajj & Umrah Services
DOMESTIC & INTERNATIONAL AIR TICKETS

Visit Visa, Holiday Tour Packages, Waqala Delhi & Mumbai Gamca & Medical Services
Emigration, Visa Stamping, Currency Exchange, Money Transfer

TV उत्तरशक्ति NEWS

- Withdrawal & Deposit Money From All (atm & Adhar Services)
- Passport, Pan Card & Driving License Services
- Common Services Center (csc) & Sahaj Jan Seva Kendra Related Services 7860303530, 9616636079

प्रो0- मो0 आसिफ सिद्दीकी संवाददाता गुरैनी, मानीकलां

सह- संपादक **डॉ. इम्तियाज अहमद सिद्दीकी** (उर्फ़ बाबू भाई) उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक, जौनपुर-लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

निकट- नसीराबाद चौक, पूर्व प्रधान नेयाज़ अहमद कटरा, मानीकलां, जौनपुर (उ0. प्र0)